website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 293 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 30 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

योगी के भाषण काफी चर्चित हो रहे हैं !

-क्या प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में हैं योगी आदित्यनाथ

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश में मुसलमानों पर मुकदमे दायर करने के मामले में उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर पहुंच गया है। मुसलमानो, मुस्लिम उलेमाओं, मौलानाओं और मुस्लिम नेताओं और मुस्लिम जुलूसों को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के भाषण चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में बरेली के मौलाना तौकीर रजा को लेकर योगी का भाषण पूरे देश में चर्चित हो रहा है। योगी आदित्यनाथ के भाषणों में मुस्लिम समुदाय के प्रति सख्ती भरा लहज़ा तो पहले भी दिखाई देता था, लेकिन अब उनके भाषणों में जिहादियों, मौलानाओं एवं अन्य को सबक सिखाने का लहज़ा रहता है। जब मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी बोलते हैं तो कानून और मर्यादाओं का भी ध्यान नहीं रखते हैं। ऐसा लगता है कि योगी जो बोल रहे हैं वही कानून और वही नियम है। योगी आदित्यनाथ के भाषणों ने उनकी छवि एक मुस्लिम विरोधी नेता की बना दी है। योगी के शासनकाल में सैकड़ो मुसलमानों के मकानो, मदरसों, मस्जिदों को अतिक्रमण के नाम पर बुलडोजर से ढहा दिया गया। कोर्ट से कई बार

योगी सरकार और अधिकारियों को फटकार मिली लेकिन मामला थमता नजर नहीं आता है।

क्या प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं योगी ?

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी अच्छी तरह समझते हैं कि देश में यदि राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचना है, तो हिंदूत्व और सांप्रदायिक राजनीति सबसे ज्यादा फायदेमंद हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में गोधरा कांड का बड़ा योगदान रहा है। मोदी को भाजपा के वफादार समर्थक हिंदूत्व का चेहरा मानते है। भाजपा में यदि समर्थन चाहते हैं तो किसी नेता के लिए जरूरी हो जाता है कि वह मुस्लिम विरोध और हिंदूत्व की छवि बनाएं। योगी आदित्यनाथ की छवि उनके भाषण और सख्त राजनीति तरीका उनको मोदी से भी ज्यादा भाजपाइयों में लोकप्रिय बना रहा है। भाजपाइयों में ऐसे बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और सदस्य हैं जो मोदी के बाद योगी को देश का प्रधानमंत्री बनता देखना चाहते हैं। यह बात मुख्यमंत्री योगी भी अच्छी तरह जानते हैं कि वह जब ही प्रधानमंत्री बन सकते हैं तब उनकी छवि देश में और भाजपा कार्यकर्ताओं में हार्डकोर हिंदू नेता की बनेगी। इसलिए कहा जा सकता है कि यह योगी का देश का अगला प्रधानमंत्री बनने का प्रयास हो सकता है। क्योंकि विकास के मुद्दों पर देश में सफल राजनीति नहीं की जा सकती है?

आई लव मोहम्मद (स. अ.) नारे पर आपत्ति क्यों ?

-क्या भाजपा के लिए यह राजनीतिक मुद्दा बन सकता है?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से शुरू

हुआ धार्मिक नारा अब उत्तर प्रदेश सरकार के लिए राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आई लव मोहम्मद (स. अ.) लिखे बैनर, पोस्टर लेकर चलने वालों पर एफआईआर दर्ज करना शुरू कर दिया है। कानपुर, मुरादाबाद, बरेली में आई लव मोहम्मद (स. अ.) लिखे पोस्टर, बैनर लेकर चलने वालों पर बड़ी संख्या में एफआईआर दर्ज की गई है और बैनर, जुलूस लेकर रैली निकालने वालों पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने लाठी चार्ज किया और गिरफ्तारियां की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस धार्मिक नारे को पूरी तरह दो समुदायों के बीच धार्मिक और राजनीति का मामला बना दिया है। आई लव मोहम्मद (स. अ.) नारे को लेकर माहौल गर्म होता जा रहा है। बरेली में मौलाना तौकीर रजा सहित 2000 लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया। धार्मिक मुद्दे का मामला अब उत्तर प्रदेश से निकलकर बिहार, उत्तराखंड एवं मध्य प्रदेश तक पहुंचता नजर आ रहा है। आई लव मोहम्मद (स. अ.) नारे का समर्थन एम आई एम सुप्रीमों असासुद्दीन ओवैसी, भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने किया है। केंद्र की भाजपा सरकार ने इस मामले पर अभी तक अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने इस मामले को पूरी तरह कानून व्यवस्था से जोड़कर प्रदर्शनकारियों पर कार्यवाही कर रहे हैं। मुस्लिम राजनीतिज्ञों का कहना है कि मोहम्मद (स. अ.) से दुनिया का हर मुसलमान मोहब्बत करता है और दिलों से हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को नहीं निकाल सकता है लेकिन मुसलमानों को सड़कों पर उतर कर कानून व्यवस्था का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

दिल्ली में छठ पूजा की तैयारियां तेज

-यमुना किनारों समेत 929 स्थलों पर होंगे विशेष इंतजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की के पल्ला से लेकर ओखला तक उपयुक्त घाटों को छठ पूजा के लिए

है कि इस वर्ष छठ पूजा को यमुना नदी के दोनों किनारों पर भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से मनाया जाएगा। उन्होंने तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए सभी जरूरी सुविधाएं और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। दिल्ली सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा, मुख्य सचिव धर्मेंद्र और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में यह तय हुआ कि यमुना तैयार किया जाएगा। आईटीओ और ओखला जैसे पारंपरिक घाटों को भी उन्नत किया जाएगा।

हालांकि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यमुना नदी में विसर्जन प्रतिबंधित रहेगा क्योंकि यह छठ अनुष्ठान का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पूर्वांचलवासियों की बड़ी आबादी को देखते हुए सरकार का लक्ष्य छठ पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित ढंग से मनाना है। पूरे शहर में इस बार कुल 929 स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन होगा। इनमें यमुना तटों के अलावा मुनक नहर, कृत्रिम तालाब भी शामिल होंगे। सरकार ने सभी स्थलों पर स्वच्छता, जल छिड़काव, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं के लिए चिकित्सा सुविधाएं और विशेष प्रकाश व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। सिंचाई विभाग को यमुना से जलकुंभी हटाने का काम सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वह स्वयं यमुना घाटों और अन्य स्थलों का निरीक्षण करेंगी ताकि किसी तरह की कमी न रहे। उन्होंने यह भी बताया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो यमुना में अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार से सहयोग मांगा जाएगा। उन्होंने छठ पूजा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह पर्व पूर्वांचल वासियों की आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। यह हमें प्रकृति और स्वच्छता के महत्व की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार हर श्रद्धालु को सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल उपलब्ध कराएगी ताकि छठ पूजा भव्यता और श्रद्धा के साथ संपन्न हो।

भाजपा नेताओं को क्या हो गया है?

-कोई तोड़ने-फोड़ने की बात कर रहा है, तो कोई कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गोली मारने की बात कर रहा है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश की राजनीति किस तरफ जा रही है? अफसोस की बात है। जहां देश के युवाओं को एजुकेशन एवं रोजगार की जरूरत है और देश को विकसित करने के लिए जनता को प्रशिक्षण और कुशल बनाने की जरूरत है। वहीं कुछ लोग, नेता और धार्मिक लोग नफरत के बीच बोकर जनता को लड़ाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक विशेष समुदाय के लिए डेंटिंग-पेंटिंग और साथ पीढ़ियों को सबक सिखाने की धमकी दे रहे हैं। तो दूसरी तरफ भाजपा प्रवक्ता पिंटू महादेव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सीने पर गोली मारने की बात की है। इसी तरह केंद्रीय कपड़ा

मंत्री गिरिराज किशोर ने हलाल और झटका मीट के प्रयोग की बात करके दोनों समुदायों को बांटने की कोशिश की है। देश को कहां ले जाना चाहते हैं? समझ से परे लगने लगा है। ज्यादातर देश अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए एजुकेशन, रिसर्च एवं विकास पर जोर दे रहे हैं, जबकि भारत देश में नफरत की राजनीति करके जनता को बांटने की कोशिश हो रही है। भारत एक बड़ा देश है। यहां विभिन्न धर्म, समुदाय एवं जाति वर्ग के लोग रहते हैं जिनकी एकता को छिन्न-भिन्न करना आसान नहीं है। इसलिए राजनेताओं को देश की मजबूती के लिए काम करना चाहिए।

बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी मुसलमानों में

-जब तक मुसलमानों के बीच लीडरशिप पैदा नहीं होगी तब तक हालात नहीं बदलने वाले हैं

पटना । जनस्वराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर शर्मा ने कहा है कि

बिहार में मुसलमान सबसे ज्यादा गरीब हैं। दलितों से ज्यादा गरीब है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जब तक मुसलमानों के बीच से लीडरशिप पैदा नहीं होगी, जब तक मुसलमानों के हालात नहीं बदलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश और भाजपा गठबंधन का हारना तय हैं। भाजपा को 40 प्रतिशत हिंदू ही पसंद करते हैं। जबकि देश में 80 प्रतिशत हिंदुओं की जनसंख्या है, यदि 40 प्रतिशत हिंदुओं जो भाजपा को पसंद नहीं करते हैं, को 20 प्रतिशत मुसलमान समर्थन दे दें तो भाजपा की बैसाखी पर टिकी नीतीश सरकार का पतन हो जाएगा। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि बिहार में एम वाई समीकरण है। उन्होंने कहा यह समीकरण केवल वही है जहां मुस्लिम उम्मीदवार नहीं है। जहां मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव में है वहां यादव, राजपूत, कुर्मी, ब्राह्मण और दलित भाजपा को वोट देता है और मुसलमान उम्मीदवारों को वोट नहीं देते है। बिहार में एम वाई समीकरण मुसलमानों के साथ दिखावा है। इसलिए मुसलमानों को बिहार में बदलाव के लिए, शिक्षा के लिए एवं रोजगार के लिए स्वराज पार्टी को वोट देना चाहिए।

ओलंपियन शाहिद के पैतृक घर पर क्यों चला बुलडोजर?

-अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं मोहम्मद शाहिद

वाराणसी। सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत वाराणसी में ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी मोहम्मद शाहिद के तीन मंजिला पैतृक मकान पर बुलडोजर चल गया। सोशल मीडिया पर इसको लेकर चर्चा का दौर चल रहा है। यूजर्स प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पद्मश्री मोहम्मद शाहिद 1980 मॉस्को ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाली टीम में शामिल थे। मोहम्मद शाहिद के परिवार के कुछ और मकान भी ढहाए गए हैं। दरअसल कचहरी गोलघर इलाके में 26 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है। इसकी जद में ओलंपियन का मकान भी आ गया। प्रशासन ने मकान का करीब 10 फीट हिस्सा तोड़ दिया है। लोकनिर्माण विभाग ने कुल 69 मकानों को चिह्नित किया है। इनमें से 35 मकानों को जमींदोज किया जा चुका है। बताया जा रहा है कि मोहम्मद शाहिद की पत्नी समेत कुछ सदस्यों को मुआवजा मिल चुका है। कुछ लोगों के घर में वैवाहिक कार्यक्रम होने के कारण उन्हें बुलडोजर कार्रवाई से मोहलत दी गई है। 71 लोगों को मुआवजा दिया जा चुका है। तोड़े गए मकानों में ओलंपियन मोहम्मद शाहिद के परिवार से जुड़े मकान भी शामिल हैं। इन्हें मुआवजा मिल चुका है। जबकि पारिवारिक सदस्यों के तीन मकानों पर अभी कार्रवाई नहीं की जा सकी है।

परिवार वालों ने मांगी 14 दिन की मोहलत: एडीएम आलोक वर्मा-

एडीएम ने बताया कि मोहम्मद शाहिद के परिवारवालों से बात हुई है। उन्होंने बताया कि घर में वैवाहिक कार्यक्रम है। परिवार वालों ने 13 –14 दिन का समय मांगा है। उन्हें मोहलत दी गई है। इसके साथ ही उनसे कुछ जरूरी कागजात मांगे गए हैं। इस बीच, मोहम्मद शाहिद के बड़े भाई रियाजुद्दीन की पत्नी नाजनीन ने मुआवजा कम मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंहने कहा कि यदि मुआवजे की राशि और बढ़ी होती तो बहुत मदद मिलती।

2016 में हुआ था निधन-

आपको बता दें कि मोहम्मद शाहिद 1980 में मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम में भी शामिल रहे थे। वर्ष 1982 के एशियन गेम्स में रजत पदक और 1986 के एशियाड खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम में भी शाहिद शामिल रहे। उन्हें अर्जुन पुरस्कार और पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनका निधन 20 जुलाई, 2016 को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में हुआ था।

अब सिम की तरह LPG सिलेंडर भी कर सकेंगे पोर्ट

-डिस्ट्रीब्यूटर के साथ तेल कंपनी को भी बदलने का मिल सकेगा विकल्प

नई दिल्ली । क्या आप अपने रसोई गैस सप्लायर से नाराज हैं? अगर ऐसा है, तो जल्द ही आपको राहत मिलने वाली है। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी की तरह ही, रसोई गैस ग्राहकों को जल्द ही अपने मौजूदा कनेक्शन को बदले बिना एलपीजी वितरक के साथ ही अब उपभोक्ता तेल कंपनी बदलने का भी विकल्प मिलेगा। इससे उन्हें रसोई गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिए ज्यादा विकल्प उपलब्ध होंगे और बेहतर सेवा मिल सकेगी। तेल नियामक पीएनजीआरबी ने एलपीजी इंटरऑपरेबिलिटी फ्रेमवर्क के तहत हितधारकों और उपभोक्ताओं से मध्य अक्तूबर तक राय मांगी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने टिप्पणियां आमंत्रित करते हुए नोटिस में कहा है कि जहां किसी स्थानीय वितरक को परिचालन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, वहां पर उपभोक्ताओं पास अक्सर सीमित विकल्प होते हैं ऐसे में उपभोक्ताओं को एलपीजी कंपनी और डीलर चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। बता दें कि दरअसल, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने अक्तूबर 2013 में 13 राज्यों के 24 जिलों में एलपीजी कनेक्शन की पोर्टेबिलिटी को लेकर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था और जनवरी, 2014 में इसका विस्तार पूरे देश में किया गया। उस समय उपभोक्ताओं को केवल अपने डीलर बदलने के सीमित विकल्प दिए गए थे नाखुश होने के बावजूद ग्राहक तेल कंपनी नहीं बदल सकता था। इसका मतलब यह था कि इंडियन ऑयल कारपोरेशन से इंडेन गैस लेने वाले उपभोक्ता के पास इंडेन गैस के डीलर को ही चुनने का विकल्प था।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के तर्कों के सामने नतमस्तक पत्रकार और विरोधी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आजकल टीवी चैनलों पर राजनीतिक डिबेट का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। सभी राजनीतिक दल अपने पढ़े लिखे, बोलने में माहिर और तर्कशील एवं हाजिर जवाब देने वाले अपने कार्यकर्ताओं एवं प्रवक्ताओं को टीवी डिबेट में भेजते हैं। क्योंकि यही प्रवक्ता पार्टी की नीति, रीति एवं भविष्य की योजनाओं एवं वर्तमान विचारधारा के आधार पर जनता का जहन बनाते हैं। आजकल टीवी डिबेट में एक नाम टीवी चैनलों पर सबसे ज्यादा उभर कर सामने आया है। जो सबूत, तथ्यों, तर्कों, कानून, धार्मिक आस्थाओं एवं राजनीति की जरूरत के हिसाब से डिबेट करता

है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ऐसा ही चर्चित नाम बन गया है जिसके सामने तर्कों के सामने पत्रकार, एंकर एवं विरोधी राजनीतिक प्रवक्ताओं की बोलती बंद हो जाती है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के साथ बहस करना और वाद-विवाद में भाग लेना आसान नहीं रह गया है। उन पत्रकारों और एंकरों और राजनीतिक प्रवक्ताओं के लिए तो उनसे बहस करना बिल्कुल आसान नहीं है जो झूठ, अफवाह और गैर कानूनी तर्कों का सहारा लेते हैं। राजकुमार भाटी एक तर्कशील, विवेकशील, निडर एवं हाजिर जवाबी राजनीतिक प्रवक्ता हैं। उनके जवाबों को संविधान, समाज, धार्मिक एवं राजनीतिक आधार पर सच मान जा सकता है। विरोधी राजनीतिक प्रवक्ता आप उनके साथ डिबेट और बहस करने से कतराने लगे हैं। देश को ऐसे तर्कशील एवं विवेकशील लोगों की जरूरत है।

चीन ने भारतीय दवाओं से पूरा 30% शुल्क हटाया

-ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली। भारत को दुनिया की फार्मेसी के रूप में जाना जाता है। भारत दुनिया भर को जेनेरिक दवाएं और टीके का निर्यात करता है। अब चीन की ओर से आयात शुल्क शून्य करते हुए अपना बाजार खोलने से भारतीय फार्मा कंपनियों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्हें दुनिया की दूसरी सबसे अधिक आबादी वाले चीन के बड़े बाजार में समान अवसर और बेहतर पहुंच मिलेगी। चीन ने भारत के दवा उत्पादों पर 30 फीसदी आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया है। चीन ने यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फार्मा आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के ठीक बाद उठाया है। इस फैसले के बाद भारत की दवा बनाने वाली कंपनियां बिना किसी सीमा शुल्क के चीन को दवाएं निर्यात कर सकेंगी। ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी बाजार में लागत बढ़ने के बीच चीन का यह फैसला भारतीय कंपनियों को सस्ती दवाओं की मजबूत मांग वाले वैकल्पिक बाजार के तौर पर उभर सकता है। इससे आने वाले समय में भारतीय दवा निर्यात में अरबों डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।

ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ का किया था एलान-

दो दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फार्मा उत्पादों सहित कई चीजों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया था। इनमें फार्मा उत्पादों पर 100 फीसदी का शुल्क प्रमुख था। यह बढ़ा हुआ शुल्क एक अक्तूबर से प्रभावी होगा।

दिल्ली में हॉकी इंडिया सीनियर महिला इंटर-डिपार्टमेंट नेशनल चैंपियनशिप का आगाज़

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में सोमवार को 5वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला इंटर-डिपार्टमेंट नेशनल चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया। इस मौके पर इंडियन ऑयल के चेयरमैन ए.एस. साहनी, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार तिर्की, फेडरेशन सदस्य, कोच, सपोर्ट स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। मंत्री पुरी ने कहा कि इंडियन ऑयल और अन्य कंपनियां न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही हैं बल्कि खेलों को भी लगातार प्रोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने भारतीय हॉकी के दिग्गज खिलाड़ियों हरबिंदर सिंह, जफर इकबाल, अजीतपाल सिंह, एम.एम. सोमाया और राजिंदर सिंह का ज़िक्र करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रही हैं। पुरी ने महिला खिलाड़ियों रानी रामपाल, प्रीतम रानी सिवाच, सविता पुनिया और वंदना कटारिया को रोल मॉडल बताते हुए कहा कि आज भारतीय महिला हॉकी विश्व स्तर पर देश का मान बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन और टीमवर्क जैसी खूबियां जीवन और प्रशासन में भी सफलता की कुंजी हैं। साथ ही यह भरोसा जताया कि यह चैंपियनशिप नई प्रतिभाओं को सामने लाएगी और युवाओं को हॉकी अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। पुरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को राष्ट्र निर्माण और युवा सशक्तिकरण का अहम साधन माना जा रहा है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या आजम खान भाजपा में जाएंगे !

उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी के बड़े नेता आज़म खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत पर रिहा कर दिया है। आजम खान 10 बार विधायक दो बार सांसद और उत्तर प्रदेश सरकार में दर्जनों विभागों के मंत्री रह चुके हैं। एक समय था जब आजम खान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के दाएं हाथ माने जाते थे। आजम खान ही है जिन्होंने उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को समाजवादी पार्टी एवं मुलायम सिंह के साथ जोड़ने में बड़ा योगदान रहा है। आजम खान उत्तर प्रदेश के ऐसे नेता रहे हैं जिन्होंने मुसलमानों की शिक्षा रोजगार एवं सामाजिक विकास पर ध्यान दिया साथ में हिंदू मुस्लिम भाईचारा बनाए रखने में बड़ा योगदान दिया है। उत्तर प्रदेश में आजम खान के कद का दूसरा मुस्लिम नेता समाजवादी पार्टी में नहीं है। आजम खान समाजवादी पार्टी के ऐसे मुस्लिम नेता है जिन्होंने मुसलमानों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय बनाने में योगदान दिया। जौहर यूनिवर्सिटी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है । समाजवादी पार्टी में इस मुस्लिम नेता के साथ 2017 में कुछ नया होने लगा। देखते देखते 72 मुकदमे सरकार एवं निजी लोगों ने दायर कर दिए जिनमें मुर्गी चोरी, बकरी चोरी, भैंस चोरी, किताब चोरी, जमीन पर कब्जे एवं अन्य मुकदमे दर्ज किये। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आजम खान को विभिन्न आरोपों में जेल भेज दिया गया। आजम खान को जेल में भेजने के पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक दुश्मनी को माना गया। लेकिन जेल भेजने के लिए आजम खान को कानूनी रूप से कारवाइयां अंजाम दी गई। आजम खान को माननीय न्यायालय से जमानत लेने में तीन-चार वर्ष लग गए। आजम खान का राजनीतिक कैरियर समाप्त करने की कोशिश की गई। इसके बाद आजम खान के विधायक बेटे अब्दुल्लाह आजम और उनकी पत्नी पर भी मुकदमे लगाकर जेल भेजा गया। आजम खान को उनकी पार्टी समाजवादी पार्टी से कोई विशेष सहायता नहीं मिली फिर भी आजम खान उनके परिवार और उनके चाहने वालों ने हार नही मनी। न्यायालयों मैं अपनी बातें रखी और आखिरकार जमानत मिल गई। क्योंकि आजम खान उत्तर प्रदेश के एक बड़े नेता है और जनाधार वाले नेता है। सभी राजनीतिक दल उनका समर्थन चाहते हैं। आजम खान वैसे तो समाजवादी पार्टी के नेता है और अभी भी समाजवादी पार्टी में ही है लेकिन जेल से छूटने के कारणों पर कुछ पत्रकार, राजनीतिक एवं भविष्यवक्ता अलग-अलग डील के कयास लग रहे हैं। कोई कह रहा है कि आजम खान बसपा में जा सकते हैं या फिर समाजवादी पार्टी छोड़कर कोई तीसरी फ्रंट बना सकते हैं। आजम खान की जमानत के पीछे कोई डील मानी जा रही है। क्योंकि बसपा को उत्तर प्रदेश में भाजपा के हिती के लिए काम करने वाली पार्टी माना जाता है। यदि वास्तव में आजम खान की भाजपा से कोई छिपी हुई डील हुई तो वह बसपा में जा सकते हैं ? क्योंकि आजम खान भाजपा में जा नहीं सकते लेकिन बसपा में जा सकते हैं। भाजपा के लिए बसपा में रहकर काम कर सकते हैं। यदि आजम खान को जमानत पूरी तरह कानूनी पैरवी और तथ्यों के आधार पर हुई है तो आजम खान को समाजवादी पार्टी के अलावा दूसरी किसी पार्टी में जाने की जरूरत नहीं पड़ेंगी। आजम खान के परिवार पर काफी दबाव हो सकते हैं? जिसके करण आजम खान भी चौकाने वाला निर्णय ले सकते हैं।

शादी और निकाह में क्या फ़र्क़ है?

असल इसका जवाब है कि कोई फ़र्क़ नहीं होना चाहिए। लेकिन आज के वक़्त में आप देखेंगे कि अगर कोई 'शादी' लफ़्ज़ बोलता है, तो उसके ज़हन में आता है - बैंड, बाजा, बारात, बाराती, दहेज़, ये सब आता है। जब कोई कहता है 'निकाह', तो उसके ज़हन में आता है कि बस चंद लोग मस्जिद में बैठे हैं और सादगी के साथ ले आना। सबकी शादी और निकाह, ये कोई अलग-अलग चीज़ नहीं है। फिर क्यों हमारे ज़हन में दो तरीके की बातें आती हैं? इसकी वजह है हमारा मुआशरा (समाज), वो मुआशरा जो अपने फैसले इस्लाम से हट कर करता है। अगर हम नबी पाक (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की सीरत देखें, आपने अपनी बेटी फ़ातिमा का निकाह हज़रत अली (रज़ि०) से किया। उसमें क्या हुआ? बस निकाह पढ़ाया, छुहारे बांटे और चंद तोहफ़ों के साथ अपनी बेटी को रुखसत कर दिया। इतनी आसान शादी! लेकिन आज अगर हम देखें तो इन रस्मों-रिवाज़ के बिना हमारी नाक कट जाती है। बाप अपनी बेटी की शादी के लिए 10 लाख का लोन ले रहा है। बेटी की शादी के बाद वो सारी ज़िंदगी सूद के साथ लोन चुका रहा है। और दूसरी तरफ़ जो लोग दहेज़ लेते हैं, वो भी बेटी को तंग करते हैं, क्योंकि ज़ाहिर है वो लोग सुन्नत को मानने वाले नहीं हैं, तभी दहेज़ लिया। और उस बाप की बेटी दुःख पाती है, जिसमें हमें कई केस देखने को मिले, जिसमें आत्महत्या के केस भी सामने आए हैं। अब इस सब में हमें क्या करना चाहिए? सबसे पहले, अगर आप लड़के वाले हैं तो आज से, अभी से अज़्म (संकल्प) करिए कि दहेज़ नहीं लेंगे, सादगी और सुन्नत तरीक़े पर निकाह करेंगे। और आप लड़की वाले हैं तो अज़्म करें कि पैसे वाला देखकर उसको लोन पर दहेज़ नहीं देंगे, बल्कि दीनदार घराने में निकाह करेंगे, चाहे वो ग़रीब ही क्यों न हो।

-मुहम्मद सोहैल

ग़ीबत: हुक़ूक़-उल-इबाद की सबसे आम ख़िलाफ़वर्ज़ी

इस्लाम में इबादत (उपासना) के दो प्रमुख हिस्से हैं: एक हुक़ूक़-अल्लाह (अल्लाह के अधिकार) और दूसरा हुक़ूक़-उल-इबाद (बन्दों के अधिकार)। अक्सर हम नमाज़, रोज़ा, ज़िक्र जैसी इबादतों को ही दीन समझते हैं और बन्दों के हुक़ूक़ को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। जबकि हुक़ूक़-उल-इबाद का मामला ज़्यादा संगीन और नाज़ुक है। अल्लाह चाहे तो अपने हुक़ूक़ माफ़ कर सकता है, लेकिन किसी बन्दे का हक़ तब तक माफ़ नहीं होता, जब तक वह बन्दा ख़ुद माफ़ न कर दे। इसी हुक़ूक़-उल-इबाद में एक ऐसा गुनाह है जिसे हमारे मुआशरे (समाज) ने गुनाह समझना ही छोड़ दिया है, और वो है ग़ीबत (पीठ पीछे बुराई करना)। हम अपनी महफ़िलों में, दोस्तों के साथ उठते-बैठते बड़ी आसानी से दूसरों की ग़ीबत कर जाते हैं और हमें इसका एहसास तक नहीं होता। इसकी संगीनी का अंदाज़ा इस मिसाल से लगाया जा सकता है कि ग़ीबत करना शराब पीने से भी ज़्यादा बुरा हो सकता है। क्योंकि जो शख़्स शराब पीता है, वह कम-से-कम अपने आपको गुनहगार समझता है और शायद तौबा कर ले। लेकिन ग़ीबत करने वाला तो ख़ुद को हक़ पर समझता है, उसे यह गुनाह लगता ही नहीं। जिस गुनाह का एहसास ही मर जाए, उससे तौबा की उम्मीद भी कम हो जाती है। क़ुरआन-ए-करीम ने ग़ीबत करने को अपने मुर्दा भाई का गोश्त खाने के बराबर क़रार दिया है। यह एक ऐसी डरावनी मिसाल है जो इस गुनाह की घिनौनी हक़ीक़त को सामने लाती है। इसलिए, हमें अपनी ज़बान की हिफ़ाज़त करनी चाहिए। हमें यह समझना होगा कि दीन सिर्फ़ इबादतों का नाम नहीं, बल्कि दूसरों के हुक़ूक़ अदा करने और उन्हें तकलीफ़ न पहुँचाने का भी नाम है। अगर हमसे कभी ग़ीबत हो जाए, तो सिर्फ़ अल्लाह से माफ़ी मांगना काफ़ी नहीं है, बल्कि उस शख़्स से भी माफ़ी मांगनी होगी जिसका हक़ हमने बर्बाद किया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर विशेष आलेख....

अहिंसात्मक आंदोलन के सबसे बड़े जनक थे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

महात्मा गांधी आधुनिक भारत के इतिहास के महानतम व्यक्तित्वों में से एक हैं। वे केवल स्वतंत्रता संग्राम के नेता ही नहीं थे, बल्कि सत्य, अहिंसा और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने वाले दर्शनशास्त्री और कर्मयोगी भी थे। उनका जीवन और विचारधारा केवल भारत में ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया को आज भी प्रेरणा प्रदान करती है। महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उनके पिता करमचंद गांधी पोरबंदर रियासत के दीवान थे और माता पुतलीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। परिवार का वातावरण धार्मिक और सादगीपूर्ण था, जिसने गांधीजी के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाल्यावस्था में गांधीजी साधारण छात्र थे, परंतु उनमें सत्य बोलने, अनुशासन का पालन करने और बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करने की आदत बचपन से ही थी। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा पोरबंदर और राजकोट में प्राप्त की। आगे की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और लॉ (कानून) की पढ़ाई पूरी करने के बाद वकालत के लिए भारत लौटे।

दक्षिण अफ्रीका प्रवास और संघर्ष-

गांधीजी के जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब वे वकालत के काम से दक्षिण अफ्रीका गए। वहां भारतीयों को नस्लीय भेदभाव और अपमान का सामना करना पड़ता था। स्वयं गांधीजी को ट्रेन में प्रथम श्रेणी का टिकिट होते हुए भी अश्वेत होने के कारण बाहर फेंक दिया गया था। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण और अहिंसात्मक आंदोलन चलाने का संकल्प लिया। यहीं से "सत्याग्रह" की अवधारणा जन्मी। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया और अंततः सफलता प्राप्त की। उनके इस आंदोलन ने विश्व का ध्यान उनकी विचारधारा की ओर आकर्षित किया। भारत में स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व: 1915 में गांधीजी भारत लौटे और देश की स्वतंत्रता के लिए जन आंदोलनों से जुड़े। उन्होंने भारतीय राजनीति को नया नैतिक दृष्टिकोण दिया। उनके नेतृत्व में अहिंसात्मक आंदोलनों ने स्वतंत्रता संग्राम को जन-जन तक पहुँचाया।

चंपारण और खेड़ा सत्याग्रह-

भारत में गांधीजी का पहला बड़ा आंदोलन बिहार के चंपारण में 1917 में हुआ। यहां नील की खेती करने वाले किसानों पर अंग्रेज अत्याचार कर रहे थे। गांधीजी ने किसानों की मदद की और सत्याग्रह शुरू किया। यह आंदोलन सफल रहा और किसानों को बड़ी राहत मिली। इसी प्रकार 1918 में उन्होंने गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों के पक्ष में संघर्ष किया, जिससे प्रसिद्ध

"खेड़ा सत्याग्रह" हुआ। असहयोग आंदोलन (1920)1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड ने गांधीजी को गहराई से झकझोर दिया। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ असहयोग आंदोलन का आह्वान किया।

अंग्रेजी शिक्षण संस्थाओं, अदालतों और विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया गया। इस आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की जड़ें हिला दीं। नमक सत्याग्रह और दांडी यात्रा (1930)1930 में गांधीजी ने अंग्रेज सरकार के नमक कानून का विरोध किया। वह साबरमती आश्रम से दांडी तक 385 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले और समुद्र तट पर नमक बनाकर प्रतीकात्मक रूप से कानून तोड़ा। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐतिहासिक चरण साबित हुई।भारत छोड़ो आंदोलन (1942)द्वितीय विश्वयुद्ध के समय ब्रिटिश हुकूमत को गांधीजी ने "भारत छोड़ो" का नारा दिया। इस आंदोलन ने स्वतंत्रता संघर्ष को निर्णायक रूप से ब्रिटिश शासन के अंत की ओर धकेल दिया।

गांधीजी की विचारधारा-

महात्मा गांधी का दर्शन केवल राजनीतिक आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि जीवन जीने का संपूर्ण तरीका था।गांधीजी का मानना था कि सत्य और अहिंसा ही सर्वोच्च नैतिक मूल्य हैं। वे कहते थे कि किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हिंसा का मार्ग उचित नहीं है। उनके लिए साधन और साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए। गांधीजी ने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्त्रों, विशेषकर चरखा और खादी को अपनाने पर जोर दिया। उनका मानना था कि भारतीयों को आत्मनिर्भर बनना चाहिए।सर्वधर्म समभाव गांधीजी धार्मिक सहिष्णुता में विश्वास रखते थे। वे गीता, कुरान, बाइबिल और बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करते थे और सब धर्मों को समान मानते थे। ग्राम स्वराज उनका सपना था कि भारत का वास्तविक विकास गांवों के उत्थान से होगा। उन्होंने ग्राम स्वराज की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें हर गांव आत्मनिर्भर हो।

गांधीजी का वैश्विक प्रभाव-

गांधीजी के विचारों ने केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया। अमेरिका के मार्टिन लूथर किंग जूनियर, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला और अनेक अन्य नेताओं ने अपने आंदोलन गांधीजी की अहिंसा की अवधारणा से प्रेरित होकर चलाए।

स्वतंत्रता और विभाजन-

1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। किंतु इसी समय देश का बंटवारा हुआ, जिससे गांधीजी अत्यंत दुखी हुए। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता बनाए रखने के लिए अथक प्रयत्न किए। 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने गांधीजी की हत्या कर दी। उनकी मृत्यु से पूरा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। गांधीजी का चले जाना भारत के लिए अपार क्षति थी। परंतु उनकी विचारधारा आज भी जीवित है। आज के समय में जब पूरी दुनिया हिंसा, आतंकवाद, भेदभाव और असहिष्णुता जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब गांधीजी की विचारधारा और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। उनका संदेश है कि शांति, भाईचारा और सहिष्णुता ही मानव समाज की असली शक्ति है। महात्मा गांधी केवल भारत के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के "महान आत्मा" थे। उनका जीवन त्याग, सादगी और नैतिकता की मिसाल है। उन्होंने हमें सिखाया कि बिना हिंसा के भी किसी भी शक्ति को पराजित किया जा सकता है। गांधीजी के आदर्श और मूल्य आज भी मानवता के पथ-प्रदर्शक हैं।

भगत सिंह ने असेंबली में बम फैंककर भी भागने से मना कर दिया था

-28 सितंबर 1907 को जन्मे थे शहीद भगत सिंह

भगत सिंह भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी क्रांतिकारी थे आजादी के दीवाने और भारत मां के सपूत क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 में लायलपुर जिले के बंगा में (अब

पाकिस्तान में) सरदार किशन सिंह के यहां हुआ। उनकी स्मृति में अब इस जिले का नाम बदलकर शहीद भगत सिंह नगर रख दिया गया है। भगत सिंह के पिता गदर पार्टी के सदस्य थे।

शायद इसी का प्रभाव उनके बालमन पर पड़ा आजादी और क्रांति के बीज उनके बाल मन में बचपन में ही फूट चुके थे। भगत सिंह का नाम अमर शहीदों में लिया जाता है उनका पैतृक गांव खटकड़ कलां है जो पंजाब में है शहीद भगत सिंह भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक है जिन्होंने हमें अपने देश के लिए मर मिटने की ताकत दी और यह बताया कि देश प्रेम क्या है। भगत सिंह का जन्म सिख परिवार में हुआ था। जब भगत सिंह का जन्म हुआ तो उनके पिता सरदार किशन सिंह जेल में थे।

सन 1926 में नौजवान भारत सभा में भगत सिंह को सेक्रेटरी बना दिया गया और इसके बाद सन 1928 में उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन को ज्वाइन किया इसे चंद्रशेखर आजाद ने बनाया था और पूरी पार्टी को एकजुट करके 30 अक्टूबर 1928 को भारत में आ गए। चंद्रशेखर आजाद व पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर इन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अभूतपुर साहस तथा शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया। पहले लाहौर में बर्नी सैंडर्स की हत्या और उसके बाद दिल्ली की केंद्रीय सांसद (सेंट्रल असेंबली) में बम विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह को बुलंदी प्रदान की। इन्होंने असेंबली में बम फेंक कर भी भागने से मना कर दिया जिसके फलस्वरुप अंग्रेज सरकार ने इन्हें 23 मार्च 1931 को उनके दो अन्य साथियों राजगुरु तथा सुखदेव के साथ फांसी पर लटका दिया। भगत सिंह बहुत कम उम्र में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा बन गए थे। भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रतिरोध के विभिन्न कृत्यों में भाग लेने के अलावा, उन्होंने पंजाबी और उर्दू भाषा के समाचार पत्रों के लिए एक लेखक और संपादक के रूप में भी योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनके क्रांतिकारी विचार बेहद लोकप्रिय हो रहे थे, जिसे साम्राज्य द्वारा एक खतरे के रूप में देखा जा रहा था, आखिरकार अंग्रेजों ने उन्हें उनके साथी क्रांतिकारियों , राजगुरु और सुखदेव के साथ मौत की सजा सुनाई, उनके अनमोल विचार आज भी लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

जलियांवाला बाग हत्याकांड ने बदली जिंदगी-

भगत सिंह की जिंदगी पर जलियांवाला बाग हत्याकांड का बहुत गहरा असर पड़ा था। साल 1919 में अंग्रेजो द्वारा किए गए इस नरसंहार ने भगत सिंह की जिंदगी बदल डाली। इस वक्त भगत सिंह केवल 12 साल के थे। ऐसा कहा जाता हैं कि भगत सिंह ने जलियांवाला बाग में ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ने की कसम खाई थी।

क्या थे आजादी की मायने-

आजादी को लेकर भगत सिंह के विचार काफी अलग थे। उनका मानना था कि भारत को आजादी तब नहीं मिलेगी, जब अंग्रेज देश से चले जाएंगे। भारत तब आजाद होगा, जब ये देश एक ऐसा समाज बन जाए, जहां कोई किसी का शोषण न करें। 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी। लेकिन देश के लोगों ने उनकी रिहाई के लिए प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके चलते ब्रिटिश सरकार को डर सताने लगा कि अगर भगत सिंह को रिहा कर दिया गया तो वे सरकार को जिंदा नहीं छोड़ेंगे इसलिए 23 मार्च 1931 की शाम 7 बजकर 33 मिनट पर भगत सिंह और उनके साथियों सुखदेव, राजगुरु को फांसी दे दी गई।

इस्लाम में दहेज और भारतीय मुस्लिम लड़कियों की बढ़ती मौतें

दहेज, एक सामाजिक प्रथा जिसने लंबे समय से दक्षिण एशिया को त्रस्त कर रखा है, आज भी लोगों की जान ले रही है, परिवारों को बर्बाद कर रही है और महिलाओं की गरिमा को धूमिल कर रही है। हालाँकि भारत में यह सभी धर्मों

में व्याप्त है, लेकिन मुसलमानों में इसकी उपस्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि इस्लाम इस प्रथा को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है। हाल के वर्षों में, दहेज की माँग से जुड़ी युवा मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न, यातना और यहाँ तक कि उनकी मृत्यु की खबरों ने समुदायों को झकझोर कर रख दिया है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 22 वर्षीय मुस्लिम लड़की गुलफिजा, हाल ही में हुई एक ऐसी घटना का शिकार हुई, जहाँ उसके पति ने 10 लाख रुपये की माँग के लिए उसे तेज़ाब पीने के लिए मजबूर किया, जहाँ उसकी खून की उल्टी होने से मौत हो गई। दहेज पर इस्लामी रुख और भारत में मुस्लिम लड़कियों के सामने आने वाली दुखद वास्तविकताओं को समझना इस विरोधाभास को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस्लाम में, दहेज (जहेज़ या दहेज) की कोई अवधारणा नहीं है। इसके बजाय, धर्म महर का प्रावधान करता है, जो दूल्हे द्वारा दुल्हन को दिया जाने वाला एक अनिवार्य उपहार है, जो सम्मान, वित्तीय सुरक्षा और उसके अधिकारों की स्वीकृति का प्रतीक है। महर पूरी तरह से दुल्हन की संपत्ति है, और उसके पति या ससुराल वालों सहित किसी को भी इस पर दावा करने का अधिकार नहीं है। पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें आर्थिक और सामाजिक, दोनों तरह के बोझ कम हों। रिवायतों में बताया गया है कि उनकी अपनी बेटियों की शादी सादगी से हुई थी, बिना किसी विस्तृत माँग या भौतिक अपेक्षाओं के।

इसलिए, आज जिस तरह दहेज प्रथा प्रचलित है, वह एक नवीनता (बिदअत) है जो महिलाओं के प्रति निष्पक्षता, करुणा और सम्मान के इस्लामी मूल्यों के सीधे विपरीत है। इन शिक्षाओं के बावजूद, सांस्कृतिक प्रभावों, औपनिवेशिक काल के व्यक्तिगत कानूनों के संहिताकरण और गैर-इस्लामी परंपराओं की नकल के कारण दहेज प्रथा दक्षिण एशिया के मुस्लिम समुदायों में भी पैठ बना चुकी है। इस्लाम जिसे उत्पीड़न मानता है, वह दुर्भाग्य से कई परिवारों में सामान्य हो गया है। अकेले भारत में हर साल दहेज से संबंधित हजारों मौतें दर्ज की जाती हैं, और मुस्लिम महिलाएं भी इस भयावह आंकड़े से अछूती नहीं हैं। हालाँकि जनसंख्या के आकार के कारण आँकड़े अक्सर हिंदू-बहुल मामलों को उजागर करते हैं, मुस्लिम महिलाओं को भी दहेज से जुड़ी क्रूरता का सामना करना पड़ता है। भारतीय मुसलमानों में दहेज का प्रचलन आस्था और व्यवहार के बीच एक गहरे विरोधाभास को दर्शाता है। एक ओर, मुसलमान कुरान और सुन्नत का पालन करने पर गर्व करते हैं, जहाँ महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की जाती है।

दूसरी ओर, व्यवहार में, कई परिवार बेटियों को आर्थिक बोझ समझते हैं, उन्हें एक ऐसी परंपरा के अधीन कर देते हैं जिसे इस्लाम स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है। इस्लामी सिद्धांतों के साथ यह विश्वासघात न केवल महिलाओं को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि मुस्लिम समाज के नैतिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। दहेज प्रथा को लागू करने में समुदाय की चुप्पी, और कभी-कभी मिलीभगत, न्याय और दया के पैगम्बरी संदेश को कमजोर करती है। कुरान दूसरों के धन को अन्यायपूर्ण तरीके से हड़पने के खिलाफ चेतावनी देता है, फिर भी दहेज की माँग कुछ और नहीं बल्कि प्रथा के रूप में छिपी हुई जबरन वसूली है। चौंकाने वाली मौतों के अलावा, भारत में अनगिनत मुस्लिम महिलाएँ दहेज के कारण लगातार मनोवैज्ञानिक दबाव में रहती हैं। नवविवाहित दुल्हनों को अक्सर यह याद दिलाया जाता है कि उनके परिवारों ने क्या दिया या क्या नहीं दिया। यह निरंतर अपमान उनकी गरिमा को छीन लेता है और वैवाहिक जीवन में विषाक्त वातावरण पैदा करता है। माता-पिता भी अक्सर बेटियों के होने पर आर्थिक निराशा महसूस करते हैं, क्योंकि उनमें से कई बेटों की शिक्षा और करियर में निवेश करना पसंद करते हैं, यह मानते हुए कि बेटियाँ दहेज के माध्यम से केवल संसाधनों को ही बर्बाद करेंगी। इस प्रकार, यह प्रथा अप्रत्यक्ष रूप से मुस्लिम परिवारों में निरक्षरता, कम उम्र में विवाह और लड़कियों की उपेक्षा को बढ़ावा देती है। भारत का दहेज निषेध अधिनियम (1961) दहेज की माँग को अपराध घोषित करता है, और भारतीय दंड संहिता की धारा 304B (अब BNS की धारा 79 और 80) दहेज हत्याओं से संबंधित है। हालाँकि कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कमज़ोर है। पीड़ितों को अक्सर धमकियों, पारिवारिक सहयोग की कमी या सामाजिक कलंक के डर से चुप करा दिया जाता है। पुलिस जाँच अधूरी हो सकती है, और अदालती मामले वर्षों तक चलते रहते हैं, जिससे शोकाकुल परिवारों को न्याय नहीं मिल पाता। 0मुस्लिम नेताओं और संगठनों को, केवल कानूनी उपायों पर निर्भर रहने के बजाय, इस समस्या के धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं का सक्रिय रूप से सामना करने की आवश्यकता है। मस्जिदों में तकरीर, शैक्षिक अभियान और समुदाय-नेतृत्व वाले हस्तक्षेप मुस्लिम समाज में दहेज को सामान्य मानने की परंपरा को तोड़ने में मदद कर सकते हैं। दहेज से जुड़ी भारतीय मुस्लिम लड़कियों की बढ़ती मौतें धार्मिक आदर्शों और वास्तविकताओं के बीच एक चिंताजनक अंतर को उजागर करती हैं। इस सामाजिक बुराई से खोई हर जान समुदाय की अंतरात्मा पर एक कलंक है। अगर भारतीय मुसलमानों को न्याय, करुणा और महिलाओं की गरिमा के हिमायती धर्म के अनुयायी के रूप में अपनी पहचान फिर से हासिल करनी है, तो उन्हें दहेज के खिलाफ एक अटूट लड़ाई लड़नी होगी।

माँ-बाप की ख़िदमत: हर इबादत से ऊँचा मक़ाम

इस्लाम में अल्लाह के हक़ के बाद सबसे बड़ा हक़ वालिदैन (माता-पिता) का रखा गया है। दुनिया के तमाम रिश्तों में कोई न कोई ग़रज़ (स्वार्थ) शामिल होती है, लेकिन सिर्फ़ माँ-बाप की मुहब्बत ही ऐसी है जो बिल्कुल बे-ग़रज़ होती है। वे अपनी औलाद के लिए अपनी जान तक क़ुर्बान करने को तैयार रहते हैं और बदले में किसी चीज़ की उम्मीद नहीं करते। इसी बे-ग़रज़ मुहब्बत और क़ुर्बानी की वजह से अल्लाह तआला ने उनका दर्जा बहुत बुलंद किया है।

वालिदैन की ख़िदमत में अल्लाह ने इतना बड़ा अज्र-ओ-सवाब (पुण्य) रखा है कि उसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। हदीस शरीफ़ में आता है कि जो शख़्स अपने वालिदैन को मुहब्बत की नज़र से एक मर्तबा देखता है, अल्लाह तआला उसे एक मक़बूल हज और उमरे के बराबर सवाब अता फ़रमाते हैं।

ख़िदमत या जिहाद?

एक सहाबी, हुज़ूर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की ख़िदमत में हाज़िर हुए और अर्ज़ किया कि या रसूलल्लाह! मैं जिहाद में जाकर सवाब हासिल करना चाहता हूँ। आपने पूछा: "क्या तुम्हारे वालिदैन ज़िंदा हैं?" उन्होंने कहा: "जी, ज़िंदा हैं।" हुज़ूर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने इरशाद फ़रमाया: "जाओ और उनकी ख़िदमत करो। तुम जो अज्र जिहाद से हासिल करना चाहते हो, वो तुम्हें उनकी ख़िदमत से ही मिल जाएगा।" एक दूसरी रिवायत में है कि "उनकी

ख़िदमत में ही जिहाद करो।"

इस वाक़िये से यह गहरा सबक मिलता है कि दीन सिर्फ़ अपने शौक़ और जज़्बात को पूरा करने का नाम नहीं है। दीन का असल तक़ाज़ा यह है कि देखा जाए कि उस वक़्त अल्लाह की तरफ़ से हमारे ऊपर क्या ज़िम्मेदारी है। अगर किसी के वालिदैन को उसकी ख़िदमत की ज़रूरत है, तो उस वक़्त उनके लिए सबसे बड़ा जिहाद और सबसे अफ़ज़ल अमल उनकी ख़िदमत करना ही है, भले ही उसका दिल मस्जिद की पहली सफ़ या जिहाद के मैदान में जाने को क्यों न चाहता हो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

-प्रधानमंत्री मोदी की बातों को आत्मसात करें, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में सहभागी बनें और राष्ट्र निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी जी ने देशवासियों को प्रेरणा से भर दिया। उन्होंने शहीद भगत सिंह जी के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति की सराहना की और उनके द्वारा अंग्रेजी हुकूमत को लिखा गया वह ऐतिहासिक पत्र भी याद दिलाया, जिसमें उन्होंने अपने लिए गोली से सजा माँगी थी। प्रधानमंत्री जी ने भारत रत्न, स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया और उनके देशभक्ति गीतों की भावनात्मक झलक भी साझा की। प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमारी बेटियों के साहस की मिसाल भी पेश की, दो बेटियों द्वारा लगभग 300 दिनों तक नाव से 14,000 किलोमीटर की कठिन यात्रा को सफलतापूर्वक पूर्ण करना, पूरे देश और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का भी उल्लेख किया। राठौड़ ने कहा कि कैसे डॉ. हेडगेवार जी के द्वारा 1925 में विजयादशमी के दिन स्थापित यह संगठन आज एक वटवृक्ष बन चुका है, जो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी जयंती से खादी अपनाने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और लोकल फॉर वोकल के संकल्प को दोहराने का आह्वान किया। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही उन्होंने महान कवि व संगीतकार सुधीर फड़के को भी याद किया, जिनके गीतों में राष्ट्रभक्ति की गूंज थी। ऐसे ही अनेक प्रतिभाओं को याद कर प्रधानमंत्री ने हमें प्रेरित किया कि हम भी अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बनें। हम सभी कार्यकर्ताओं और प्रदेशवासियों से आह्वान करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी जी की बातों को आत्मसात करें, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में सहभागी बनें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों और चरित्र पर सवाल उठाया। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस आज ऐसे-ऐसे व्यक्तियों को अपनी पार्टी में वापस ले रही है, जिनके बयानों और आचरण पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कुछ ऐसे लोग भी उसमें शामिल किए जा रहे हैं, जो कभी बलात्कार जैसी गंभीर घटनाओं पर असंवेदनशील बयान दे चुके हैं, जैसे कि "राजस्थान मर्दों का प्रदेश है।" ऐसे बयानों से न केवल प्रदेश की छवि खराब होती है, बल्कि यह पीड़ितों के प्रति भी घोर असंवेदनशीलता दर्शाता है। राजनीतिक जीवन में व्यक्ति का आचरण, व्यक्तिगत और सार्वजनिक दोनों ही शुद्ध और पारदर्शी होना चाहिए। जब किसी व्यक्ति को पहले पार्टी से निष्कासित किया गया था, तो वह किसी ठोस आधार पर किया गया था। अब यदि उस आधार को समाप्त मान लिया गया है, तो प्रश्न उठता है कि उसकी पुनः वापसी का मापदंड क्या रहा ? क्या कांग्रेस के लिए व्यक्तिगत चरित्र का कोई मूल्य नहीं रह गया है? जबकि भाजपा व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र दोनों को महत्व देती हैं, लेकिन कांग्रेस की नीति शायद इससे भिन्न है। वह किस प्रकार के लोगों को पार्टी में स्थान देती है, यह उनके दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि 25 सितम्बर 2025 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांसवाड़ा में एटॉमिक एनर्जी प्लांट का शिलान्यास कर प्रदेश को एक बड़ी सौगात दी है। यह प्लांट 2800 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन की क्षमता के साथ राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र को सशक्त करेगा। इससे पूर्व केवल रावतभाटा में ऐसा संयंत्र था। यह राजस्थान के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी ने वंदे भारत ट्रेनों की सौगात भी दी, जिससे प्रदेश में यातायात और पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इन सभी उपलब्धियों के लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं और उनका हृदय से धन्यवाद करते हैं। मन की बात कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, नाहर सिंह जोधा, प्रभुलाल सैनी, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, स्टेफी चौहान, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आमजन के लिए मददगार बन रहा शहरी सेवा शिविर

-पति-पत्नी ने 68 साल बाद बनवाया जन्म प्रमाण पत्र

-कायस्थों की बगीची और चार दरवाजा के महिला पार्क में लगाया गया कैंप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर के लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए हेरिटेज निगम की ओर से शहरी सेवा शिविर अब आमजन के लिए मददगार साबित हो रहा है। मंगलवार को सुभाष चौक इलाके में चार दरवाजा महिला पार्क में लगे कैंप में एक बुजुर्ग दंपति ने 68 साल बाद अपना जन्म प्रमाण पत्र बनवाया। हवामहल आमेर जोन उपायुक्त सीमा चौधरी ने दोनों को जन्म प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। सीमा चौधरी ने बताया कि चार दरवाजा निवासी बाबू खान ने 68 वर्ष की उम्र और उनकी पत्नी शरीफान ने 63 वर्ष की उम्र में अपना जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कैंप में आवेदन किया, जहां 10 मिनट में उनका सर्टिफिकेट बन गया। बाबू खान ने बताया कि कभी जरूरत नहीं पड़ी तो उन्होंने इसके लिए प्रयास भी नहीं किया, वे मानते थे कि बहुत भीड़ भाड़ में उनका काम नहीं हो पाएगा। आज हमारे वार्ड में कैंप लगा तो सुबह निगम अधिकारी कालोनी में प्रचार कर रहे थे, ऐसे में उन्होंने अपना और अपनी पत्नी के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की सोची। वहीं, कायस्थों की बगीची और चार दरवाजा में लगाए गए कैंप में करीब 2345 लोगों ने अपनी समस्याओं के निस्तारण के लिए आवेदन किया। कायस्थों की बगीची में महापौर कुसुम यादव ने निरीक्षण किया और जनसुनवाई की, इस दौरान मिश्र राजा जी के रास्ते निवासी संगीता गर्ग का पट्टा संबंधी कार्य भी किया गया। संगीता भी पिछले दो साल से अपने कार्य के लिए परेशान हो रही थी। संगीता गर्ग ने पट्टा नाम ट्रांसफर होने पर महापौर कुसुम यादव और निगम अधिकारियों का धन्यवाद दिया। हवामहल जोन के कैंप में विधायक बाल मुकुंद आचार्य ने निरीक्षण किया और मौके पर ही जन सुनवाई कर कार्यों के निस्तारण कराए। वहीं, निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बताया कि अभी तक लगे कैंप में करीब 10 हजार से अधिक लोगों ने निगम सहित अन्य विभागों की विभिन्न शाखाओं में आवेदन किया है, जिनमें कारण आठ हजार लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जा चुका है। हमारी प्राथमिकता जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण की है। इस कार्य में सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर समस्याओं के निस्तारण करने में लगे हुए है।

खो नागोरियान में स्थानीय समस्याओं को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खो नागोरियान स्थित करीम नगर विकास समिति की ओर से 28 सितम्बर, रविवार शाम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर समिति पदाधिकारियों ने बताया कि करीम नगर, रहीम नगर, गांधी विहार, करीम नगर विस्तार, रवि विहार सहित वार्ड 114 की कई कॉलोनियों में अब तक सीवरेज लाइन नहीं डाली गई है। इसके चलते लोगों को गंदगी और दुर्गंध की समस्या झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बैठक में अवैध कबाड़ गोदामों पर कार्रवाई न होना, अधूरी सड़कों का निर्माण, जगह-जगह कचरे के अंबार और सफाई व्यवस्था की कमी जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया। समिति ने कचरा उठाने वाली गाड़ियों की अनियमितता और प्रशासनिक उदासीनता पर भी नाराजगी जताई। प्रेस को संबोधित करते हुए समिति अध्यक्ष जावेद शेख और सचिव एडवोकेट इंतेखाब आलम ने कहा कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य कॉलोनीवासियों की आवाज सरकार और प्रशासन तक पहुंचाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही क्षेत्र की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

पीएम कुसुम योजना में 5500 किसानों को मिलेगा सोलर-पंप लगाने का मौका

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। किसानों को बिजली संकट से निजात दिलाने के लिए केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार ने एक बड़ी पहल करते हुए प्रधानमंत्री कुसुम योजना (कम्पोनेंट-बी) के तहत जयपुर जिलें के 5500 किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। उप निदेशक उद्यान, हरलाल सिंह बिजारनियां योजना के अन्तर्गत सोलर पम्प की कुल लागत का 60 प्रतिशत हिस्सा सरकार वहन करेगी, जबकि किसानों को मात्र 40 प्रतिशत राशि देनी होगी एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति श्रेणी के किसानों को 45,000 रूपये का अतिरिक्त छूट देय है। यह योजना राज्यभर में 60,000 किसानों के लिए संचालित की जा रही है। जिसका संचालन उद्यान विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसमें 3 एचपी, 5 एचपी, 7.5 एचपी एवं 10 एचपी क्षमता के सोलर पम्प शामिल हैं। कृषक को सौर उर्जा पम्प संयंत्र लगाने के लिए न्यूनतम 0.40 हैक्टेयर भूमि का होना आवश्यक है। जिन किसानों के विद्दत कनेक्शन नही है एवं सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधन जैसे डीजल इंजन आदि पर निर्भर है। कृषक योजना का लाभ लेने के लिए राज किसान पोर्टल पर ऑन लाईन आवेदन कर सकते है। किसानों के सौर उर्जा पम्प संयंत्र लगने से किसानों को प्रतिदिन होने वाले डीजल खर्च एवं प्रतिमाह होने वाले विद्दत बिल से छुटकारा मिल सकेगा।

बाल सुधार गृह की तलाशी, 17 मोबाईल फोन मिले

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बीजु जार्ज जोसफ पुलिस आयुक्त जयपुर आयुक्तालय ने बताया की बाल सम्प्रेषण गृह सेठी कालोनी जयपुर मे विधि से संघर्षरत बाल अपचारियो को निरुद्ध किया जाता है तथा बाल अपचारियो को सुधार के प्रयास किये जाते है। बाल सुधार गृह मे बालको द्वारा लगातार मोबाईल फोनो का उपयोग करने की लगातार शिकायते मिल रही थी जिसको मध्यनजर रखते हुये थानाधिकारी ट्रांसपोर्टनगर की थाना स्तर पर अतिरिक्त जाप्ता उपलब्ध करवाया जाकर गोपनीय तरीके से 24 सितम्बर 2005 को तकनीकी सहायता तथा एच. एच.एम.डी एवं डी.एस.एम.डी तथा अन्य उपकरणो की सहायता ली जाकर योजनाबद्ध तरीके से अलग अलग टीमो का गठन किया जाकर बाल सम्प्रेषण गृह अधीक्षक सुनील भार्गव तथा मौजूद कर्मचारियो के साथ बाल सम्प्रेषण गृह सेठी कालोनी में तलाशी ली गयी। जिसमे अलग अलग कम्पनियो के कुल 17 मोबाईल फोन व 06 मोबाईल चार्जर व 02 ईयर फोन मिले। जिनको कब्जा पुलिस लिया जाकर जप्त किया गया तथा प्राप्त मोबाईलो का विशलेषण एवं जांच शिवदयाल सहायक उपनिरीक्षक के जिम्मे की गयी। जांच जारी है।

जेडीए ने कानोता में 25 बीघा भूमि पर बस रही अवैध कॉलोनी की ध्वस्त

-हिंगोनिया गौशाला की जमीन को भी मुक्त करवाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जोन-13 के कानोता इलाके में लगभग 25 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही एक नवीन अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान कॉलोनी में शामिल की गई हिंगोनिया गौशाला की करीब 5 बीघा सरकारी भूमि को भी अतिक्रमण मुक्त कराया गया। जेडीए अधिकारियों के अनुसार, कानोता में कृषि भूमि पर बिना किसी स्वीकृति और भू-रूपांतरण के "सावरियां सिटी" के नाम से अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। कॉलोनाइजर ने भूमि को समतल कर मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें, लोहे का स्वागत गेट और सीमेंट के पिलर लगा दिए थे। सूचना मिलने पर जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीनों की सहायता से सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया और कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल कर दिया। इसके अतिरिक्त, दस्ते ने कानोता में ही जेडीए की योजना 'कल्पना नगर एच-ब्लॉक' की सरकारी भूमि पर तारबंदी और मिट्टी की डोल बनाकर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया। जेडीए के अनुसार, अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। वर्ष 2024 से अब तक कुल 1340 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है और 673 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया है। जेडीए के उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण या अतिक्रमण की शिकायत जेडीए के कंट्रोल रूम हेल्पलाइन नंबरों या राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज कराकर इस अभियान में सहयोग करें।

आदर्श नगर में जलेगा 120 फीट का रावण, 90 फीट का मेघनाथ

-दशहरा के दिन 2 अक्टूबर रात 9 बजे होगा महादहन

-10 कारीगरों की मेहनत, 15 लाख की लागत – दशहरा मैदान में दिखेगा भव्य नजारा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इस बार दशहरा पर राजधानी जयपुर में भव्य आयोजन होने जा रहा है। आदर्श नगर दशहरा मैदान में 2 अक्टूबर की रात बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक, 120 फीट ऊंचे रावण और 90 फीट ऊंचे मेघनाद के पुतलों का महादहन किया जाएगा। यह भव्य कार्यक्रम रात ठीक 9 बजे होगा, जिसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह भव्य आयोजन शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। इन पुतलों को बनाने में 10 कुशल कारीगरों की टीम पिछले कई हफ्तों से जुटी हुई थी, जिनकी मेहनत से यह कलाकृति तैयार हुई है। बताया जा रहा है कि इस पूरे आयोजन की लागत 15 लाख रुपये है। विजयदशमी के इस पर्व पर आदर्श नगर दशहरा मैदान में विजय का स्वर गूंजेगा और रावण दहन के इस भव्य नज़ारे को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ने की उम्मीद है। नगर निगम और आयोजकों द्वारा सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतज़ाम किए गए हैं। यह आयोजन परंपरा और आधुनिकता का शानदार संगम पेश करेगा, जिससे दर्शकों को एक यादगार अनुभव मिलेगा।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी भाजपा की तानाशाही का जीता-जागता सबूत - आम आदमी पार्टी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय प्रवक्ता & राजस्थान सहप्रभारी घनेंद्र भारद्वाज ने कहा कि पर्यावरण और शिक्षा सुधार के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाले सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है। जिस व्यक्ति ने अपनी जिंदगी देश के लिए समर्पित कर दी, उसे जेल में डालकर भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि वह सच्चाई से डरती है और हर विरोधी आवाज को कुचलना चाहती है। भारद्वाज ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा उसी राह पर चल रही है जिस पर कभी कंस चला था। जिस तरह कंस भविष्यवाणी से भयभीत होकर अपनी बहन की कोख से जन्में मासूम बच्चों का वध करता था, उसी तरह भाजपा हर आंदोलन को जन्म लेते ही कुचलने का षड्यंत्र रचती है। यह सरकार इतनी हताश और निराश हो चुकी है कि उसे हर जगह अपने अंत की आहट सुनाई देने लगी है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भी भारतवासियों की जुबान बंद कराने के लिए झूठे मुकदमे गढ़े, लाठियाँ चलवाईं और जेलों में ठूँसा। आज भाजपा उसी अंग्रेजी हुकूमत की नक़ल कर रही है। जो भी व्यक्ति जनता की आवाज़ बनता है, जो भी देश की सच्चाई सामने लाता है, उसे बदनाम करने और जेल में डालने की साजिश रची जाती है। आम आदमी पार्टी चेतावनी देती है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ को कभी दबाया नहीं जा सकता। सोनम वांगचुक जैसे देशभक्तों को सलाखों के पीछे डालकर भाजपा खुद अपनी कब्र खोद रही है।

नशे के सौदागरों पर पुलिस का शिकंजा, कमिश्नर ने किया बड़े एक्शन का ऐलान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ पुलिस ने 25 सितम्बर से अभियान तेज कर दिया है। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने नशे के सौदागरों के खिलाफ एक सख्त एक्शन प्लान की घोषणा करते हुए कहा है कि नशा तस्करों पर अब सख्ती की गाज गिरेगी और उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इस साल अब तक बड़ी सफलता हासिल हुई है। जयपुर पुलिस ने इस वर्ष अब तक कार्रवाई करते हुए करीब 11 करोड़ रुपये के अवैध मादक पदार्थ जब्त किए हैं। यह कार्रवाई शहर में नशे के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने एक बयान में स्पष्ट किया कि जयपुर को नशा मुक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "नशा तस्करी एक गंभीर अपराध है जो हमारे युवाओं और समाज को खोखला कर रहा है। जयपुर पुलिस ऐसे सौदागरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है और आने वाले दिनों में यह अभियान और भी तेज किया जाएगा।" पुलिस के इस बड़े एक्शन से नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अब शहर के विभिन्न हिस्सों में अपने खुफिया तंत्र को और मजबूत कर रही है ताकि छोटी से छोटी जानकारी पर भी तुरंत कार्रवाई की जा सके।

इग्स माफियाओं के खिलाफ पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर में कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत जयपुर शहर में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु रिछपाल सिंह, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध के निकट सुपरविजन एव नेतृत्व में C.S.T. आयुक्तालय जयपुर की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध आसूचना संकलन व इलाकों में निगरानी रखी जाकर प्राप्त सूचनाओं पर पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर जयपुर उत्तर की टीम के साथ कार्यवाही करते हुये मादक पदार्थ तस्कर रोहित सांसी व काजल सांसी को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही पुलिस-

उक्त कार्यवाही के सम्बन्ध में पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर जयपुर उत्तर में प्रकरण संख्या 326/2025 धारा 8/20 व 8/21 एन.डी.पी.एस. एक्ट में दर्ज किया गया।

बरामदगी-

आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 31 ग्राम स्मैक व 3 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद करने में सफलता अर्जित की गयी।

तरीका वारदात-

आरोपीगण अवैध मादक पदार्थ स्मैक व गांजा की छोटी-छोटी पूडिया बनाकर ट्रांसपोर्ट पुलिया के नीचे आमागढ, अंगूरी सांसी के घर पर बेचान करते हैं।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

किसानों एवं आमजन से जुड़ी समस्याओं को लेकर पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले के किसानों तथा आमजन से जुड़े जनहित के मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राज्य के पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में शुक्रवार 26 सितंबर को जिला कलक्टर कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना आयोजित कर राज्य के मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर बारां को ज्ञापन सौंपा गया। जिला कांग्रेस संगठन महासचिव कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बारां जिला मुख्यालय पर आयोजित एक दिवसीय धरने में हजारों की संख्या में उपस्थित किसानों, आमजन एवं कांग्रेसजनों को पीसीसी सचिव हंसराज मीणा उदपुरिया, धर्मराज मेहरा, गिरिराज नागर, पीसीसी सदस्य चन्द्रप्रकाश मीणा घोडीगांव, जिला उपाध्यक्ष बृजराज मीणा बोरखेडी, ब्लाक अध्यक्ष रामस्वरूप बैरवा, धर्मेन्द्र यादव, अजीज नाजा, मूलचन्द शर्मा, ओम सुमन मिर्जापुर, भारतेन्द्र सिंह सिसोदिया, मनोज भार्गव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष मनोज नागर रिझिंया, बाबूलाल मीणा, नगर अध्यक्ष प्रशान्त भारद्वाज, डॉ. इजहार खान, हरीश माहेश्वरी, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सत्यनारायण भूमलिया, सेवादल के अशरफ देशवाली, पूर्व अध्यक्ष संध्या जाडेजा, युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष यश जैन भाया, एनएसयूआई के कशिश धाकड, महिला कांग्रेस अध्यक्ष बृजेश वर्मा, पूर्व चेयरमेन कौशल सुमन, रिजवान भाई बालदडा, नवीन उपाध्याय, कौशल किशोर राठौर आदि वक्ताओं ने सम्बोधित किया। धरने को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा आमजन से जुडे मुद्दो को उठाकर भाजपा के नेताओं को सकते में ला दिया है। बारां जिले में अतिवृष्टि के कारण हमारे किसान

भाईयों द्वारा 3-3 बार बुवाई की गई फसलें बर्बाद हो चुकी है तथा 70 प्रतिशत फसलें खराब हो चुकी है। इस विषम परिस्थिति में जब हमारे किसान भाई जूझ रहे है तब भाजपा नेता तमाशबीन बनकर तमाशा देख रहे है। भाया ने कहा कि किसान आंसू बहा रहे है तथा कांग्रेस पार्टी द्वारा किसानों एवं आमजन की पीडा को देखते हुए यह धरना आयोजित कर राजस्थान की भजनलाल सरकार को इंसानियत के नाते किसानों तथा आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की गई है। जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि बारां जिले में इस वर्ष अतिवृष्टि के कारण हमारे अन्नदाता किसान भाईयों द्वारा 1, 2 नही बल्कि 3 बार बुवाई की गई फसल नष्ट हो चुकी है तथा सरकार द्वारा अभी तक इनके लिए मुआवजा राशि उपलब्ध नही करवायी गयी है। आमजन से जुडे हुए बिजली, सडक, पानी, शिक्षा, चिकित्सा आदि कार्य अवरूद्ध पडे हुए है। कहीं पर भी धरातल पर डबल इंजन की सरकार नजर नही आ रही है। आमजन के जुडे मुददो की कहीं पर भी सुनवाई नही हो रही है इसलिए कांग्रेस पार्टी को आज यह धरना आयोजित करने की जरूरत पडी। पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल ने धरने को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रकृति प्रकोप के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी है, किसान भाईयों से केसीसी के समय बीमा राषि काट ली जाती है तथा फसले बर्बाद होने के कारण किसान भाई अपने बेटे-बेटियों का विवाह किस प्रकार कर पाएंगे। पटवारी, कानूनगों कह रहे है कि सरकार का निर्देष है कि 33 प्रतिशत से अधिक खराबा नही बताना है। किसान भाई आगामी 8 दिन में गेहूं, चना, सरसों की फसलों की बुवाई करेंगे लेकिन जिस यूरिया का बेग कांग्रेस शासन में 1200 रूपए में मिलता था वह 1800 रूपए में दिया जा रहा है। इसी के साथ व्यापारियों द्वारा किसानों को जबरदस्ती अटेचमेन्ट किट दिया जा रहा है। राजस्थान की सोई हुई भजनलाल सरकार को जगाने का बेडा हमारे नेता प्रमोद जैन भाया द्वारा उठाया है। बारां शहर की 30 प्रतिशत आबादी तेलफेक्ट्री क्षेत्र मंव निवास करती है लेकिन अभी तक कांग्रेस शासन के दौरान स्वीकृत ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण नही करवाया गया है जबकि यह वर्ष 2024 में ही पूर्ण हो जाना चाहिए था। धरने को किशनगंज की पूर्व विधायक निर्मला सहरिया ओर छबड़ा के पूर्व विधायक करण सिंह राठौड़ ने भी संबोधित किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा द्वारा धरना कार्यक्रम में पधारने पर सभी किसानों, आमजन, कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। यह रहे उपस्थित- धरना प्रदर्षन के दौरान पूर्व प्रधान निधि चंदेल, सावित्री शाक्यवाल, प्रदीप मेहता, पूजा चंदेल, नवीन सोन, सत्यनारायण चैधरी, खेमराज सिंह रहलाई, शिवशंकर यादव, साजिद हुसैन, सोहनलाल सुमन, राजेन्द्र नामा, पवन शर्मा, सोनू शर्मा, राजेन्द्र वैष्णव, अल्फेज पठान, रामस्वरूप मीणा, विवेक तिवारी, सुरेषचंद भाण्ड, हेमराज गुर्जर, हेमराज भाया, गजेन्द्र सुमन, चितरंजन पाठक, प्रमोद सुमन, हरप्रीत सोढी, जीत वर्मा, धर्मचन्द जैन, विजय चैधरी, गिरिराज मीणा, ललित गालव, नवीन उपाध्याय, महावीर, मिथलेश भार्गव, शीतल भार्गव, कैलाश पारस, प्रमोद जैन टीटू, रामपाल मीणा, रमेष फौजी, मयंक माथोडिया, अक्षय भूमलिया, पीयूष सोनी, शरद शर्मा, धीरज शर्मा, अंकुर सक्सेना, लीलाधर, रोहित सक्सेना, हरिराम ऐरवाल, सत्यनारायण शर्मा, जितेन्द्र वर्मा, राकेश वाल्मिकी, लव पारस, कमलाबाई, कमल यादव, विष्णु शाक्यवाल, राजेन्द्र गहलोत, पुरूषोत्तम नागर, विजय बैरवा, रजनी ओझा, दीपू नागर, मुकेश प्रजापति, अजय दायमा, ओम राठी, पवन पांचाल, अनिल जैन, चन्द्रप्रकाश नागर आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) द्वारा सीरत प्रतियोगिता का सफल आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) के तत्वावधान में रविवार 28 सितंबर को जामिया कोसर स्कूल में एक ज्ञानवर्धक सीरत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता सुबह 11:00 बजे से 12:30 बजे तक चली, जिसमें 96 लड़कियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता पैगंबर हज़रत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के पवित्र जीवन और उनके आदर्शों पर केंद्रित थी, जिसके प्रश्न "हयात ए तैयबा" नामक पुस्तक से लिए गए थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की पवित्र जीवनी (सीरत) को घर-घर तक पहुंचाना और उनके आदर्शों को युवा पीढ़ी तक प्रसारित करना था। कार्यक्रम गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) की सरपरस्त संस्था जमात ए इस्लामी, बारां के अध्यक्ष लईक अहमद की निगरानी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जमात ए इस्लामी के अन्य गणमान्य सदस्य युसूफ राज और जिया उर्रहमान भी

उपस्थित रहे। जी.आई.ओ. बारां की अध्यक्षा गुलफिजा अंजुम ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह प्रतियोगिता समाज में फैली कुरीतियों और बुराइयों के खिलाफ एक मजबूत दीवार का काम करेगी। हमारा विश्वास है कि पैगंबर हज़रत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के पवित्र जीवन से प्रेरणा लेकर हमारा समाज अधिक नैतिक और सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर होगा।" उन्होंने आगे कहा, "इस पूरे अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए मैं GIO की हमारी समर्पित एसोसिएट मेम्बर्स और सभी मेम्बर्स का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके अथक प्रयासों के बिना यह आयोजन संभव नहीं हो पाता।" इस प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 5,000 रुपये नकद, एक ट्रॉफी और एक प्रमाण पत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 3,000 रुपये नकद, एक ट्रॉफी और एक प्रमाण पत्र तथा तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 2,000 रुपये नकद, एक ट्रॉफी और एक प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, टॉप 10 में स्थान बनाने वाली सभी प्रतिभागियों को एक-एक ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता ने न केवल युवा लड़कियों में इस्लामी इतिहास और पैगंबर की शिक्षाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि सामाजिक सुधार में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। गुल्फ़िज़ा ने कहा कि गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) एक प्रमुख संगठन है जो पवित्र समाज के निर्माण के लिए लड़कियों और महिलाओं के बीच शैक्षिक, धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से इस्लामी मूल्यों और आदर्शों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

अफवाहों से आहत, अंजुमन सदर माजिद सलीम ने पद से दिया इस्तीफ़ा

-संस्था के सदस्यों ने इस्तीफ़ा खारिज कर पद पर बने रहने का आग्रह किया

बारां (रॉयल पत्रिका)। मदरसा अंजुमन इस्लामिया बारां के सदर माजिद सलीम ने पद से इस्तीफ़ा देने की घोषणा की। उन्होंने अपने इस्तीफ़ा पत्र में लिखा कि संस्था की सेवा और विकास की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी, जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास किया। माजिद सलीम ने अपने कार्यकाल में संस्था की उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। इनमें 9 बीघा जमीन का अधिग्रहण कर स्थायी आय का स्रोत तैयार करना, मंगरोल रोड पर सरकार द्वारा आवंटित जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करना, विधायक कोष से 22.50 लाख रुपये की लागत से मैरिज हॉल का निर्माण, और बच्चों की शैक्षिक और तालीमी उन्नति के प्रयास शामिल हैं। माजिद सलीम ने कहा कि उनका मकसद हमेशा संस्था और बच्चों की बेहतरी रहा है, लेकिन कुछ लोगों द्वारा फैलाए जा रहे निराधार अफवाहों से हाड़ौती क्षेत्र में उनकी छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई। इस आहत करने वाले माहौल के कारण उन्होंने इस्तीफ़ा देने का

निर्णय लिया। हालांकि, संस्था की बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने उनके इस्तीफ़े को खारिज कर दिया और उन्हें पद पर बने रहने का आग्रह किया। माजिद सलीम ने कहा सदस्यों के भरोसे और सहयोग ने मुझे और मजबूती दी है। मैं मदरसा अंजुमन और बच्चों की बेहतरी के लिए जब भी मेरी जरूरत पड़ेगी में हमेशा तत्पर रहूँगा।

एड. अन्सार इन्दौरी को चेंज मेकर अवार्ड

-देशभर से चुने गए 100 लोगों में हुए शामिल

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मानवाधिकार कार्यकर्ता एडवोकेट अंसार इंदौरी को देशभर से चुने गए 100 बदलाव लाने वाले व्यक्तियों में शामिल किया गया है। एसोसियेशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेसनल्स के संभागीय अध्यक्ष सिराज अहमद अंसारी ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि संगठन हर वर्ष देशभर में मुस्लिम समाज की शिक्षा, स्वास्थ,वित्त,समाज सेवा,मानवाधिकार संरक्षण सहित कई क्षेत्रों में बदलाव का प्रयास कर रहे 100 लोगों का चयन करता है। संगठन की यह चयन प्रक्रिया कई स्तरों से होकर गुजरती है और समाज के प्रसिद्ध पेशेवर व्यक्तियों की ज्यूरी अंतिम मोहर लगाती है। उन्होंने बताया कि यह अवॉर्ड उन्हें उनके वंचित समुदाय के अधिकारों और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए अद्वितीय योगदान हेतु दिया गया। पुरस्कार समारोह हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इस पुरस्कार का उद्देश्य मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करना और उनके कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना है। यह पुरस्कार मानवाधिकारों के

क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य और नेतृत्व के लिए दिया जाता है। अवॉर्ड मिलने के बाद अंसार इंदौरी के कार्य और अभियानों को व्यापक पहचान मिलेगी।चेंज मेकर अवॉर्ड में चयनित होने पर एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने अपने कार्यों की देशव्यापी पहचान के लिए खुशी जाहिर की और आगे भी समर्पित रूप से काम करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अवॉर्ड से न सिर्फ कार्यकर्ता को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि पूरे समाज को मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक किया जाता है।

झालावाड़ राजस्थान पुलिस की बड़ी कार्यवाही

-वाहन चोरी व दलालो के मार्फत राशि लेकर वाहन लौटाने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान, जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने 28 सितंबर को बताया कि जिले में बढ़ती जा रही नकबजनी, वाहन चोरी की घटनाओ को गंभीरता से लेते हुये जिले के सभी वृत्ताधिकारियो के नेतृत्व में थानो की टीम गठित कर आपराधिक प्रवृतियो के बदमाशान को चिहिन्त कर अपराधियो की धरपकड के लिए विशेष अभियान चला रखा है। गठित टीम थाना कोतवाली, बकानी, सदर, झालरापाटन की टीमो द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया जाकर वाहन चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर शहर झालावाड़, थाना सदर, झालरापाटन, कोटा शहर व अन्य अज्ञात स्थानो से चुरायी गयी 30 मोटरसाईकिलो को जप्त कर वारदात में शामिल 02 वाहन चोर व 2 दलालो को गिरफ्तार करने में बडी सफलता अर्जित की है। पुलिस कार्यवाही-पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला झालावाड़ में नकबजनी, वाहन चोरी की बढती वारदातो पर अंकुश लगाने व अपराधियो की धरपकड हेतु चिरंजीलाल मीणा अति० पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व हर्षराज सिंह खरेडा वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड के निकटतम सुपरविजन मंअ थाना कोतवाली,

बकानी, सदर, झालरापाटन की टीमों द्वारा संयुक्त रूप वाहन चोरी, नकबजनी की वारदातो पर अंकुश लगाने व अपराधियो की धरपकड हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्यवाही करते हुये चोरी की वारदात वाले स्थानो को चिन्हित कर घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर सीसीटीवी फुटेज में आये संदिग्ध व्यक्तियो की निगरानी हेतु चोरी की घटना वाले स्थानो पर सादा वस्त्रो में पुलिस कर्मियो द्वारा निगरानी रखी जाकर वाहन चोरी करने वाली गैंग की पहचान सुनिश्चत की जाकर एक्शन प्लान के तहत शहर झालावाड में वाहन चुरा कर भागने वाले रास्तो पर कड़ी नाकाबंदी की जाकर वाहनो के कागजात चैक किये गये व संदिग्ध व्यक्तियो से गहनता से पूछताछ की गयी तो मोटर साइकिले चोरी की होना पाया गया। 02 अभियुक्तो को गिर० कर गहनता से अनुसधांन किया गया। शहर झालावाड, थाना सदर, झालरापाटन,बकानी, कोटा शहर व अन्य अज्ञात स्थानो से चुरायी गयी 30 मोटरसाईकिले को जप्त करने में बडी सफलता अर्जित की है एवं 2 दलालो को भी गिरफ्तार किया गया, 1 दलाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। अभियुक्त सक्रिय शातिर आदतन अपराधी है जिनके विरूद्ध पूर्व में कई प्रकरण चोरी, लूटपाट, नकबजनी व अन्य धाराओ के दर्ज है। उक्त अभियुक्तो से अनुसधांन किया जा रहा है और भी चोरी की वारदाते खुलने की उम्मीद है। वाहन चोर अभियुक्त,1. सुरेश पुत्र सावलिया जाति कंजर उम्र 30 साल निवासी जरेल थाना सदर झालावाड़, 2. विनोद पुत्र महाराम जाति कंजर उम्र 25 साल निवासी जरेल थाना सदर झालावाड़ दलाल अभियुक्त, 1.वेद राज सिंह पुत्र जुगराज सिंह राजपूत उम्र 42 साल निवासी देवनगर थाना सदर झालावाड़ 2. गजराज पुत्र हेमा जाति कंजर उम्र 50 साल निवासी बिरियाखेड़ी कला थाना सदर झालावाड़, 3. सोनू पुत्र दुर्गालाल जाति भील निवासी तीतरवासा थाना सदर झालावाड़ (फरार), तरीका वारदात- वाहन चोरो ने पूछताछ पर बताया कि वाहन चुराने के बाद गाडी की नम्बर प्लेट हटाकर या दूसरी नम्बर प्लेट लगा कर गाडी की पहचान छुपा देते है। गाडियो को छुपाकर नम्बर प्लेट के आधार पर वाहन मालिक का पता लगाकर दलालो के मार्फत वाहन मालिको से सम्पर्क कर गाडी वापस लौटाने के एवज में बडी राशि लेकर वाहनो को सुनसान जगह पर छोड देते है।

जिला कलेक्टर ने किया ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में इस बार सितम्बर माह सिर्फ बदलते मौसम का नहीं, बल्कि आमजन के जीवन में नई रोशनी लाने का गवाह भी बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में "ग्रामीण- शहरी सेवा शिविर 2025" जनकल्याण का ऐसा महाअभियान बन चुका हैं, जो सीधे जनता की उम्मीदों को हकीकत में बदल रहा है। 17 सितम्बर से संचालित इन शिविरों में हजारों लोग वर्षों से अटके दस्तावेज, अधूरी उम्मीदें और लंबित प्रकरण लेकर आते हैं और उसी दिन समाधान पाकर मुस्कुराते चेहरों के साथ घर लौटते हैं। यही कारण है कि आज हर व्यक्ति इन शिविरों की सराहना कर रहा है। इसी सिलसिले में शनिवार को जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने नुकेरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर तथा संगरिया नगरपालिका द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस मौके पर मौजूद आमजन से संवाद कर फीडबैक लिया तथा विभागीय स्टॉलो का निरीक्षण किया।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट की आमसभा सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट की आम सभा हाज़ी मुजीब अहमद की सदारत ओर जनाब काज़ी जुबैर अहमद साहब काजी-ए-शहर कोटा की सरपरस्ती में

सोमवार 29 सितंबर 2025 को कोटा जंक्शन स्थित निजी होटल में सम्पन्न हुई। ट्रस्ट के महासचिव हाज़ी हयात खान ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया की तिलावते कुरान से सभा की शुरुआत हुई। जनरल सेकेट्री ने स्वागत भाषण में सभी महानुभव का स्वागत करते हुए उम्मीद जाहिर की कि आज का यह इजलास हम सबके लिए यादगार साबित होगा ओर अपने मक़सद में कामयाब रहेगा हाजी मुख़्तार अंसारी ने बताया कि भारत में प्रति हजार लोगों पर 3 बेड की आवश्यकता है ओर उपलब्धता केवल 1 बेड की है इस गेप को पूरा करने ओर पीड़ित गरीब की सेवा करने के लिए जन सहयोग से अस्पताल का निर्माण करके जनता को राहत प्रदान करना ही मिल्लत ट्रस्ट का उद्देश्य है। ट्रस्ट द्वारा संचालित MCT क्लिनिक की सेवाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए क्लिनिक इंचार्ज मोहम्मद ज़ाकिर आसफी ने बताया कि पिछले 2.5 (ढाई) साल से यह क्लिनिक समाज में जरूरत मंद ओर कमजोर तबके को कम रेट पर उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में कामयाब हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि हम भविष्य में अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को ओर बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत हैं। मुख्य अथिति क़ाज़ी ज़ुबैर अहमद साहब ने अपने उधबोधन में ट्रस्ट की उपलब्धियों पर ख़ुशी जाहिर करते हुए पीड़ित मानवता की सेवा को पूरी निष्ठा ओर ईमानदारी से जारी रखने का आह्वान किया ओर दुआ की कि अल्लाह ट्रस्ट को अपने मक़सद मल्टीस्पेशलीटी हॉस्पिटल के निर्माण में कामयाबी अता फरमाए। ट्रस्ट के वाईस चेयरमेन हाज़ी सलीम अब्बासी ने हॉस्पिटल के लिए खरीदी गई नई बिल्डिंग के बारे में विस्तार से बताया ओर भविष्य में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी तफसील से जानकारी दी। ट्रस्ट के केशीयर इमाम हुसैन मंसूरी ने नई बिल्डिंग में हॉस्पिटल शुरू करने के बारे में प्रोजेक्टर पर विस्तार से जानकारी दी। क्लिनिक अधीक्षक मिल्लत ट्रस्ट के सरपरस्त अब्दुल रब ने नई बिल्डिंग में क्या - क्या व्यवस्था रहेगी ओर क्या सुविधाएं दी जाएगी उसके बारे में तफसील से बताया ओर बहुत जल्द इसको शुरू करने का आश्वासन दिया। ट्रस्ट के चेयरमेन हाज़ी खलील कुरैशी ने हॉस्पिटल निर्माण हेतू उपस्तिथ जन समूह से आर्थिक सहयोग देने का आहवान किया जिस पर उपस्थित भामाशाहों ने अपनी अपनी तरफ से भरपूर सहयोग करने का भरोसा दिलाया। आम सभा में कोटा बूँदी, बांरा, झालावाड़, अजमेर, देवली, सीसवाली, झालरा पाटन आदि से लोगों ने शिरकत की। अंत में चेयरमेन खलील कुरैशी ने सभा में शरीक होने ओर प्रोग्राम को कामयाब बनाने के लिए सभी का शुक्रीया अदा किया। प्रोग्राम को कामयाब, बनाने में हाजी लईक अहमद, रशिदुद्दीन, निसार अहमद, इमरान अली, जावेद खान,आमिर खान, फिरोज अहमद, फज़लुर्रहमान, अशफाक मंसूरी, मिर्जा नफीस बैग, डॉक्टर आबिद सुल्तान खान शेरवानी, मोहतरमा तरन्नुम नाज का विशेष योगदान रहा। प्रोग्राम का संचालन ट्रस्टी नईम दानिश ने किया ।

मेघवाल जनकल्याण समिति की बैठक में जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल व कोषाध्यक्ष गंगाधर निर्मल को सौंपा चार्ज

-देवविमान यात्रा आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया

बारां (रॉयल पत्रिका)। बाबा रामदेव मेघवाल जन कल्याण समिति, जिला बारां की बैठक जिलाध्यक्ष

जगदीश मेघवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिला महामंत्री बद्रीप्रसाद मेघवाल व जिला प्रवक्ता प्रदीप मोतीपुरा ने बताया कि बैठक रविवार 28 सितंबर को दोपहर 12 बजे मेघवाल छात्रावास बाबा रामदेव मंदिर प्रांगण चरीघाट रोड, लंका कॉलोनी बारां पर आहुत की गई। बैठक में डोल ग्यारस पर निकाली गई देव विमान यात्रा के दौरान हुए खर्च के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सीताराम मेघवाल नियाना ने जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल को जिलाध्यक्ष का चार्ज सौंपा। साथ ही बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर भेंट कर जिलाध्यक्ष सहित सम्पूर्ण जिला कार्यकारिणी को अग्रिम शुभकामनाएं दी । वहीं जिला कोषाध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल दीलोदा ने जिला कोषाध्यक्ष गंगाधर निर्मल को कोषाध्यक्ष का चार्ज मेघवाल समाज बंधुओं एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थित में सौंपा गया। जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल ने अध्यक्षीय उदबोधन में संबोधित किया व उपस्थित जनों का अभिवादन किया। जिला महामंत्री बद्रीप्रसाद मेघवाल ने बैठक के अंत मे सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक मं जिला महामंत्री नंदकिशोर फूंसरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामगोपाल नाकेदार, रामदयाल किशनगंज, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र बाबा वेल्डिंग, वीरेंद्र शांत, कवि सूरजमल मियाड़ा, रमेशचंद मेघवाल, हंसराज मेघवाल, हेमराज खेड़ली, रामप्रसाद कोटड़ा, सूरज फतेहपुर, रामनारायण मेघवाल, रामस्वरूप खुरी, महासचिव रामबिलास मेघवाल, रामप्रताप मेघवाल, लीलाधर कोटड़ा, पृथ्वीराज मेघवाल, सह कोषाध्यक्ष सुनील मेघवाल, कार्यालय मंत्री घनश्याम पाठेड़ा, मांगीलाल मेघवाल इत्यादि समाज के बंधु व जिला पदाधिकारी मौजूद रहे ।

शिक्षा अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक का एक दिवसीय शैक्षणिक सम्मेलन आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक जिला बाराँ का एक दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन शनिवार

27 सितम्बर को अंजुमन मैरिज हॉल अंजुमन चौराहा बाराँ में संपन्न हुआ। संघ के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद आबिद देशवाली ने बताया कि शिक्षक सम्मेलन की अध्यक्षता शिक्षा अनुदेशक संघ के जिला अध्यक्ष इदरीश मोहम्मद एवं आरिफ क़ाजी ने की। शिक्षक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज लेक्चरर डॉ. शमशाद अहमद रहे, इसके अतिरिक्त प्रदेश कार्यकारिणी के संभागीय अध्यक्ष अनवर अहमद, बारां शहर काजी अब्दुल कय्यूम, पूर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शब्बीर पठान, राकमा के जिला अध्यक्ष रईस अहमद, कार्यकारिणी सदस्य अजीम पठान, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी अ ल्प सं ख्य क विभाग आरिफ हसन एवं हैदर अंसारी ने मंच की शोभा बढ़ाई। शिक्षक अनुदेशक ने एक-एक कर अपने मशवरे दिए और तालीम को बेहतर बनाने के प्रयास के बारे में अपनी कीमती राय रखी। प्रोग्राम की शुरुआत कुराने करीम की पाक आयतों की तिलावत के साथ हुई। इसके बाद नबी कि शान में नात ए पाक पेश कि गई। ज़ोई अलीफ़ अंसारी ने बताया कि मुस्लिम क़ौम में एजुकेशन के पिछड़ेपन को कैसे दूर किया जा सकता है टॉपिक पर खुलकर चर्चा हुई। मांगरोल के नदीम अख्तर ने अपनी शेरो शायरी के माध्यम से अपनी बात रखी। बाराँ के रईस अहमद और छीपाबड़ौद के सईद अहमद ने बताया कि किस प्रकार कम मानदेय में काम करते हुए शिक्षक अनुदेशक को अल्पसंख्यक डिपार्मेंट अन्य कामों में उलझा के रखता है। जो काम डिपार्टमेंट का है जैसे कि लोन रिकवरी यह भी भार शिक्षक अनुदेशक पर डाल दिया जाता हैं जिससे अनुदेशक कि मानसिक दशा और ऊर्जा का नुकसान होता हैं। सीसवाली के फकरुद्दीन ने बच्चों को मोबाइल की बीमारी से छुटकारा दिला कर खेलो से जोड़ने पर जोर दिया। प्रोग्राम में पुरे जिले के शिक्षक अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक ने भाग लिया। जिनमे इरफ़ान मंसूरी, सखावत हुसैन, मंसूर अली, औसफ इमरान, अनवर हाश्मी, मेहफूज़, वाजिद अली, इमरोज़ अंसारी, मुहीउदिन, इमरान अली, वसीम हाश्मी, शगुफ्ता, शमीम, सीमा मंसूरी सहित सेकड़ो की तादाद में शिक्षा अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक मौजूद रहे।

पाली में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया की जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

-सलमान मोयल बने जिला अध्यक्ष

पाली (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन ने पाली में एसडीपीआई

जिला कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें सलमान मोयल को जिला अध्यक्ष, जाकिर हुसैन गौरी जिला उपाध्यक्ष, शाहरुख अली जिला महासचिव, निजाम खान सिंधी जिला सचिव, युसूफ तिलजी वाला ट्रेजरार ओर शहजाद सिलावट, सोहेल रंगरेज, मेहराज चूड़ीगर, सलीम मोहम्मद, अय्यूब सुलेमानी, शेरू मोहम्मद, मोइनुद्दीन खिलेरी, इमरान बेलिम, इकबाल नगर वाला, नासिर खोकर, असलम हुसैन, हबीब खान, समीर सिपाही, इमरान दुर्वेश, कालू चौहान, इमरान मेव को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया इस दौरान महबूब छिपा धान वाले, अकरम भाटी, सलीम सिलावट, फारुख लुहार, गुलाम हुसैन, सलीम मोयल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाने में शामिल रहे भीलवाड़ा जिला महासचिव आजाद जावेद ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को समाज सेवा के जज्बे के साथ राजनीति करने के लिए प्रेरित किया। नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष सलमान मोयल ने जिले के सभी समाज को साथ लेकर चलने एवं पार्टी तथा देश ओर जनहित में काम करने का संकल्प लिया।

दूल्हा-दुल्हन से मात्र एक रुपए लेकर कराया जाएगा निकाह

-दुल्हन को 21 आइटम गिफ्ट दिए जाएंगे, तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली की और से पाली में तीसरी बार मात्र एक रुपए में आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह

सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 25 जोड़ो का एक साथ निकाह करवाया जाएगा। अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर ने बताया कि इस सामूहिक सम्मेलन में दूल्हा दुल्हन के परिवार वालों से मात्र एक रुपए लेकर निकाह करवाया जा रहा है। जिसमें अब तक 25 जोड़ो का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। समिति के प्रवक्ता मोहम्मद खालिद कादरी ने बताया कि दूल्हा दुल्हन से मात्र एक रुपए लिया जा कर दुल्हन को 21 आइटम गिफ्ट दिए जाएंगे। जिसमें कुरान शरीफ, जा नमाज, तस्बीह, अलमारी, मसेरी, दीवार घड़ी, बुर्का, बरतन सेट, बाथरूम सेट, गैस चूल्हा, कुकर, पानी का कैम्पर, ब्लैंकेट, दुल्हन के लिए निकाह का जोड़ा, दो लेडीज सूट, कंगन सेट, इस्लामिक बुक्स सहित कुल 21 आइटम गिफ्ट दिए जाएंगे। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य अतिथि मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी साहब जयपुर से तशरीफ लायेंगे। सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों में कमेटी के अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर, संयोजक जाकिर गौरी, चांद मोहम्मद संजरी, शकील अहमद नागौरी, जहिर अली मकरानी, सत्तार पठान, इकबाल भाई मोयल, इंसाफ अली साता वाले, इंसाफ भाई सोलंकी, हसन चौहान, अकरम खिलेरी, रईस सोलंकी, अफजल पठान, अशरफ खान, अरबाज खान अज्जू, रफीक भाटी, वाहिद खान, परवेज अंसारी, आरिफ नवीन, मोहम्मद शरीफ भाटी, सलीम फ्रूट वाले, गुड् भाई, फकीर मोहम्मद चढ़वा, यासीन सबावत, अय्यूब सुलेमानी, रफीक सोलंकी,अनवर हुसैन सोजत, इकबाल भाटी,, आदि कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं।

गीतांजलि यूनिवर्सिटी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का भव्य आयोजन

-गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, गीतांजलि यूनिवर्सिटी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े उत्साह

और जोश के साथ 25 सितम्बर को मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत एक जागरूकता रैली से हुई। रैली के समापन पर विद्यार्थियों द्वारा एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें समाज को दवाओं के सुरक्षित उपयोग और फार्मासिस्ट की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में गीतांजलि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. राकेश व्यास, Med-Next Pharma Pvt. Ltd. के प्रबंध निदेशक अनिल के. व्यास, एवं गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. एम.एस. राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर वाइस चांसलर और एम.डी. साहब ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। वहीं प्राचार्य डॉ. राठौर ने छात्रों को फार्माकोविजिलेंस (Pharma-covigilance) और एडवर्स ड्रग रिएक्शन (ADR) के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. चेतन मालवीय, डॉ. अराध्य उपाध्याय और डॉ. आफताब आलम ने किया। वहीं स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में आशय, संदीप, उदय, चार्वी, संजना, मुमोक्ष और हेमेंद्र ने अहम भूमिका निभाई। पूरे आयोजन में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विश्व फार्मासिस्ट दिवस को यादगार बना दिया। गीतांजलि ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं वाइस प्रेसिडेंट ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर कॉलेज एवं हॉस्पिटल के समस्त फार्मासिस्टों को बधाई संदेश प्रेषित किया।

मुबारक खान राजड़ को सांचौर मुस्लिम समाज का अध्यक्ष चुना गया

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। दस्तगीर मुस्लिम मुसाफिरखाना न्यू बस स्टैंड के सामने आम मुस्लिम समाज की पूर्व प्रधान डॉक्टर

शमशेर अली सैयद कमलापुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें आम मुस्लिम समाज ने भारी संख्या में बैठक में उपस्थित होकर समाज की एकता और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा के साथ शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई मुद्दों पर चर्चा की गई। जिसको लेकर सर्व सम्मति से निर्विरोध निर्वाचित मुबारक खान राजड को मुस्लिम समाज का अध्यक्ष चुना गया। शिक्षा के क्षेत्र में पिछडे मुस्लिम वर्ग को ज्यादा से ज्यादा बच्चों में शिक्षा को लेकर चर्चा की गई। पूर्व प्रधान डॉक्टर शमशेर अली सैयद ने समाज में आपसी एकता और शिक्षा के प्रसार पर बल देने की अपील की है, नव निर्वाचित अध्यक्ष मुबारक खान राजड ने कहा है कि वह समाज की बेहतरीन शिक्षा और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस मौके पर ठाकुर समीम खान लाछड़ी, एडवोकेट इब्राहिम शाह, नाजिमें आला नबी बख्श पीर की जाल, एडवोकेट हनीफ खान, सरपंच तालिब खान, जलील खान हिंगोरजा, उप प्रधान गनी खान, अशरफ भाई बेहलिम, हाजी बरकत भाई बेहलिम, मौलाना हासम साहब, ठाकर रहीम खान, अध्यक्ष इकबाल खान दहिया दस्तगीर मुस्लिम मुसाफिरखाना, सरवरी युवा संगठन जिलाध्यक्ष महबूब शाह, जाकिर हुसैन ब्लॉक अध्यक्ष, रोशन खान समेजा, पटेल मोहम्मद शाह, ऊका खान सचिव दरगाह कमेटी पीर की जाल, उर्स खान पावठा, इमाम बक्स राजड, पार्षद प्रतिनिधि सलीम खान दहिया, हमीद खान भलाइयां, मंजूर शाह, कुर्बान अली समेजा होटल, नजीर शाह, नसीब शाह, बाबू खान मुस्लिम मुसाफिरखाना, हाजी खान सहित कई युवा और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रतापपुरा बालिका उच्च माध्यमिक सरकारी स्कूल की बेटियां अब बालवाहिनी से पहुंचेगी विद्यालय, भामाशाह ने भेंट की बस

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। निजी विद्यालय में बच्चों को स्कूल लाने व घर तक पहुंचाने के लिए बाल वाहिनियों की व्यवस्था के बारे में तो सभी अवगत हैं,लेकिन जालौर

जिले के सांचौर के प्रतापपुर गांव के अब सरकारी विद्यालय की बेटियों के लिए भामाशाह ने स्कूल बस भेंट की है इस बस पर होने वाला समस्त वह भी भामाशाह ही उठाएंगे। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर प्रथम में एक ऐसा कार्य हुआ जिसने यह साबित कर दिया कि जब समाज प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर शिक्षा के लिए आगे आते हैं तब बदलाव की बाजार नजर आती हैं भामाशाह जितेंद्र कुमार चौधरी व तुलसाराम चौधरी ने विद्यालय की बेटियों को सुरक्षा स्कूल तक पहुंचाने के लिए नि:शुल्क बाल वाहिनी बस भेंट की है यह राजस्थान का ऐसा सरकारी विद्यालय बन गया जहां बालिकाओं को सुरक्षित और नि:शुल्क परिवहन सुविधा मिलेगी। इससे वह दूर दराज के गांव से भी बेटियां आसानी से पढ़ाई के लिए विद्यालय आ सकेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जीवाराम चौधरी के आतिथ्य में बस विद्यालय को भेंट की गई। उन्होंने विधायक मद से दो नए कक्षा का शिलासन भी किया,उन्होंने घोषणा की विद्यालय की प्रत्येक कक्षा में कुलर, टीवी,कंप्यूटर उपलब्ध करवाए जाएंगे। और प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को 11,111 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर दौलत राम चौधरी ने कहा कि बेटियां दो घरों का नाम रोशन करती है आज के वैज्ञानिक युग के स्मार्ट शिक्षा मंदिर ही भविष्य गढ़ सकते हैं। भामाशाह मोतीराम चौधरी ने विद्यालय की बस का पूरा खर्च स्वयं वहन करने और भविष्य में छात्राओं की संख्या बढ़ने पर एक और नई बस उपलब्ध करवाने की घोषणा की हरचंद पुरोहित ने चार दीवारी निर्माण का वादा किया तो सरपंच प्रतिनिधि ने फर्नीचर देने की घोषणा कर सहयोग की नई मिसाल पेश की विद्यालय के प्रधानाचार्य नारायण लाल बिश्नोई ने बताया कि वर्ष 2024-25 में विद्यालय ने 51% नव प्रवेश नामांकन कर सांचौर तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया है यह उपलब्धि विद्यालय के मेहनती स्टाफ और समाज के सहयोग का नतीजा है कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक हरिराम चौधरी ने किया और अंत में सभी ने मिलकर संकल्प लिया प्रतापपुर की बेटियां अब शिक्षा संस्कार और तकनीकी ज्ञान में सबसे आगे रहेगी।

जिले की लालासर गांव में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा का हुआ अनावरण

-भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, डीडीपीआर कुमार अजय, रोनी रमन सहित अतिथि रहे मौजूद

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले के लालासर गांव में रविवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में शहीद भगतसिंह ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा

भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, डीडीपीआर कुमार अजय, रोनी रमन, जेकेटी फौजी, धर्मवीर जाखड़, विक्की दूधवा सहित अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह संधू ने कहा कि शहीद भगत सिंह हर विचार—हर संघर्ष में जिंदा हैं। भगत सिंह केवल मेरे परिवार का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष की आत्मा हैं। भगत सिंह के आदर्शों से आज की युवा पीढ़ी में जूनून, जज्बा और जोश भारत की आत्मा व गौरव को जिंदा रखता है। उन्होंने कहा कि गांव के युवाओं द्वारा उनके आदर्शों पर चलकर प्रतिमा स्थापना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा देगी। हम सभी भारत को सच्चे आदर्शों पर आगे बढ़ाएं और आजादी के लिए उनके बलिदान को साकार करें। हम उनके विचारों, साहस और बलिदान को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा के साथ सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संकल्प लें। संधू ने चूरू की धरा को आजादी के आंदोलन की प्रेरक भूमि बताते हुए कहा कि चूरू में तो आजादी से 17 वर्ष पहले ही स्वामी गोपालदास के साथियों ने तिरंगा फहरा दिया दिया। राजस्थान त्याग और बलिदान की भूमि है वीर तेजाजी के त्याग और महाराणा प्रताप के स्वतंत्रता संघर्ष से भारत प्रेरित होता है। जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल ने कहा कि हमें शहीद भगत सिंह के आदर्शों पर चलकर भगत सिंह के सपनों का भारत बनाना है। भगत सिंह के विचार नई पीढ़ी को देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के विचारों व आदर्शों की राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका है। देशभक्ति गायक रोनी रमन ने संस्कारवान शिक्षा की बात कही और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। युवा लेखक व डीडीपीआर कुमार अजय ने कहा कि "शहीद भगत सिंह ने जिस उम्र में अपने प्राण राष्ट्र के लिए न्योछावर कर दिए, उस उम्र में आज के युवा अपने जीवन की दिशा खोज रहे होते हैं। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को आत्मसात करें — क्रांति केवल हथियारों से नहीं, विचारों से आती है।" उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में तार्किक व वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हों तथा ऐसे बेहतर राष्ट्र की तरफ बढ़ें जिसमें बिना जाति—धर्म के समाज बनें और सामाजिक व मानवीय भावना साकार हो।

ऑल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी रतनगढ़ की ओर से 176 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका)। टाउन हॉल में रविवार को सातवां फातिमा शेख एजाजनामा प्रतिभा सम्मान समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल सत्तार तंवर ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एम-ए-खान प्रोफेसर एसबीडी कॉलेज सरदारशहर ने कहा कि सफलता को लगातार बनाये रखना बे हद ज़रूरी है। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. शेर मोहम्मद ने कहा की सम्मान से प्रतिभाओं में निखार आता है। असि.प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली ने शानदार मोटिवेशनल स्पीच देते हुए प्रतिभाओं को अपना लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अतिरिक्त जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एहसान गौरी ने कहा कि मेहनत के दम पर हर मंजिल को हासिल किया जा सकता है। सेवानिवृत पुलिस अधिकारी अनवर अली खान ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए क़दम क़दम पर उनके साथ हैं। डॉ. अब्दुल गफ्फार डीएमडब्ल्यूओ जयपुर, डॉक्टर साजिद गौरी, असगर अली जोइया रिटायर्ड जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, चूरू फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष शकील दुर्रानी एवं हारून कुरेशी आदि भी मंचासीन अतिथि थे। रुखसार बानो ने पाक कुरान शरीफ की तिलावत से प्रोग्राम का आगाज किया। कक्षा

10 और 12 में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं, सरकारी नौकरी में नव चयनित या सेवानिवृत होने वाले कार्मिक, खेल कूद में जिला स्तर या राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ी, प्रतियोगी परीक्षा में चयनित होने वाले अभ्यार्थियों सहित 176 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की जरूरत और बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समाजसेवी याकूब गोरी गोलसर द्वारा सभी प्रतिभाओं को बैग वितरित किए गए। रमजान लीलगर ने धार्मिक साहित्य भेंट किया। प्रतिभाओं का मोमेंट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया एसीएमएचओ डॉक्टर एहसान गोरी ने ₹11000 नगद राशि देकर समिति का सहयोग किया। सुल्तान खान, हाजी नियामत अली और अरशद अली ने भी आर्थिक सहयोग दिया । सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी मोहम्मद अनवर कुरैशी ने अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। समिति के कोषाध्यक्ष कासम निर्बाण ने आभार प्रकट किया और कहां की सोसाइटी अल्पसंख्यक समाज की प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के हर प्रकार के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है। कार्यक्रम का संचालन डॉ.सैय्यद मोहम्मद असलम और सफी मोहम्मद ने किया। इस अवसर पर मेराजुद्दीन, सलीमखान, लियाकत अली, यूसुफ खान, मौसिम खान, फारुख मनियार, हाकम मनियार, युनुस सलीम, मोती खान, पीरू खान, सिराजहमद, जाफर अली, सद्दाम अल्वी, खुर्शीद खान, मोहिद्दीन खान, बाबूखान, अब्दुल जब्बार खोखर, अशफाक अली, अमजद खान, शरीफ अली, पार्षद अकरम खान, फारुख खान, भंवर खान क़ाज़ी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।

हज़रत दीवाना शाह की दरगाह में चांद रात पर उमड़े जायरीन

मोहम्मद यासीन

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह

साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर रबिउलआखिर की चाँद रात पर उमड़े जायरीने दीवाना। दरगाह ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार मंगलवार सांयकाल चाँद के दीदार करते ही नारो से दरगाह परिसर गूंज उठा। आस्ताना ए आलिया मे दर्शन हेतु लम्बी-लम्बी कतारे लगी। मेला ग्राउण्ड मे 300 से उपर अस्थाई दुकाने लगी। अहाता ए नूर मे दिनभर महफिले मिलाद का प्रोग्राम हुआ व कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश कर दाद बटोरी। मिन्नत के धागे बाधने व मिन्नत पूरी होने पर अपने बच्चो व बड़ो को गुड़, खोपरा, सूखामेवा व फल-फ्रूट से तोला। चिराग अगरबत्ती के समय फातिहा पढ़ी गई जिसमे अल्लाह के प्यारे रसूल एवं औलिया ए कराम के वसीले से मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ के साथ बिमारी से शिफा याबी, घरो मे खैरो बरकत की दुआ की गई तो पुरा दरगाह परिसर आमीन-आमीन की सदाओं से गूंज उठा।

डॉ. अभिषेक कुमार ने एआईआईएमएस ऋषिकेश में प्रस्तुत किए राष्ट्रीय शोध निष्कर्ष

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के सामुदायिक

चिकित्सा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिषेक कुमार ने 16 सितम्बर को एआईआईएमएस ऋषिकेश में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने शोध "भारत में बच्चों में ठिगनेपन (Stunting) की कमी के कारण" पर प्रमुख निष्कर्ष प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में उत्तराखंड के माननीय स्वास्थ्य मंत्री और राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। डॉ. कुमार इस शोध परियोजना में सह-अन्वेषक रहे और उन्होंने उस राष्ट्रीय टीम में भी योगदान दिया जिसकी रिपोर्ट बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (BIRAC), भारत सरकार द्वारा प्रकाशित की गई।

विद्यालय में 30 वाटर कैम्पर भेंट किए गए

-इंसानियत एकता सेवा समिति ने इंसानियत का फर्ज निभाया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रविवार को

इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में वाटर कैम्पर भेंट किए गए। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान ने बताया कि विद्यालय में 30 वाटर कैम्पर की आवश्यकता थी, जिसको समिति द्वारा पूरा किया गया। इस दौरान रियाज अहमद खान, डॉ. शाहरुख खान, जाफर खान, सलमान खान, आमीन खान, वसीम अली, मो. रफीक राजगढ़िया, इमरान बी खान, असलम खान, सुलेमान मनिहार, यूसुफ खान, जुबेर खान, निरंजन कुमार, रतनलाल, अजीज खान, शाहिद खान, महबूब खान, शाहरुख मनिहार आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य नियाज मोहम्मद ने समिति का आभार जताया।

सानिया खान का पुणे महाराष्ट्र मेडिकल कॉलेज में चयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित वन विहार कॉलोनी की साजिया खान पुत्री खुर्शीद आलम खान पौत्री हाजी सलेमुदीन खान जमालखानी राणासर रिटायर्ड सीआरआई ने सी-बी-एस-ई. परिक्षा सिनियर सेकेन्डरी 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किया व नीट परिक्षा 2025 में सफता प्राप्त कर एम-सी-एस-सीस मैडिकल कॉलेज छागा पूना महाराष्ट्र में एम-बी-बी-एस के लिए चयन हुआ है। साजिया खान के दादा सलामुद्दीन खान ने बताया कि घर में खुशी का माहौल है हमारी पोती डॉक्टर बनेगी और

गांव और परिवार का नाम रोशन करेगी।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - **8058969180/9799559096**

टीवी सीरियल की क्वीन एकता कपूर कोरियन ड्रामा में आएंगी नजर?

टीवी की दुनिया में एकता कपूर के सीरियल्स का बोलबाला रहता है। आज भी उनके बनाए सीरियल टीवी पर दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। प्रोड्यूसर एकता अब कोरियन ड्रामा का हिस्सा बन सकती हैं? इस खबर को लेकर खुद ही अपडेट दिया है। प्रोड्यूसर

पोस्ट के जरिए सच से उठाया पर्दा

एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरुआत 'क' शब्द से होती थी। इसमें 'कसौटी जिंदगी की' से लेकर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' जैसे सीरियल शामिल रहे। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियल ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया।

सच में एकता कोरियन ड्रामा का पार्ट बनेंगी?

अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह कहती हैं, 'मैं ओजी क्वीन हूं 'च ड्रामा' की (क्योंकि जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूं। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी।'

दो दिन बाद सरप्राइज देंगी एकता कपूर

अपनी पोस्ट के साथ एकता कपूर ने लिखा है, 'सरप्राइज 29 सितंबर 1 बजे।' देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जेन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं।

एकता कपूर का करियर फंट

एकता कपूर टीवी सीरियल और फिल्में प्रोड्यूस करती हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के जरिए एकता ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'कहानी घर घर की' जैसे कई हिट सीरियल बनाएं। साथ ही 'डर्टी पिक्चर' जैसी हिट फिल्म के अलावा कई बॉलीवुड फिल्मों को प्रोड्यूस किया है।

● सलमान ने स्वीकारा ऑटो ट्यून की मदद से गाते हैं गाना

रिलेशनशिप पर कही बड़ी बात

सैम को डेट करने की अफवाहों के बीच तृप्ति ने तोड़ी चुप्पी

सैम मर्चेंट के साथ रिलेशनशिप के रूमर्स के बीच तृप्ति डिमरी ने हाल ही में रिश्ते को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि सिंगल होने में कोई बुराई नहीं है।

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी हाल ही में अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। बीते दिनों से लगातार खबरें आ रही थीं कि तृप्ति बिजनेसमैन और मॉडल सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा भी गया है, लेकिन अब तक इस रिश्ते पर कभी खुलकर कुछ कहा नहीं गया था। ऐसे में पहली बार तृप्ति ने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है और ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

रिलेशनशिप को लेकर तृप्ति का नजरिया: फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने कहा कि आज की दुनिया में अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ते में नहीं है तो उसकी जिंदगी अधूरी है। लेकिन उनकी राय अलग है। उन्होंने साफ कहा, रिश्ते में होना कोई मजबूरी नहीं है। अगर कोई सिंगल है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें कोई कमी है। जिंदगी में और भी बहुत कुछ है जिसे हासिल किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए उदास होना कि आपके पास कोई पार्टनर नहीं है, सही सोच नहीं है।

उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म बुलबुल की निर्देशक अनविता दत्त ने उन्हें यह सिखाया कि सिंगल होना भी उतना ही सामान्य है जितना रिश्ते में होना। तृप्ति का मानना है कि इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है।

कौन हैं सैम मर्चेंट?: सैम मर्चेंट एंटरटेनमेंस इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक समय पर वह मॉडलिंग की दुनिया में काफी लोकप्रिय रहे और इसके बाद उन्होंने बिजनेस में कदम रखा। आज वह एक सफल उद्यमी माने जाते हैं। उनकी लाइफस्टाइल और सोशल सर्कल हमेशा मीडिया की सुर्खियों में रहते हैं। यही वजह है कि जब तृप्ति और सैम को साथ देखा गया तो दोनों के रिश्ते की अटकलें तेज हो गईं।

तृप्ति का करियर ग्राफ: तृप्ति डिमरी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लैला मजनूं और बुलबुल जैसी फिल्मों से शुरू हुआ उनका सफर एनिमल जैसी सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा। रणबीर कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा और इसके बाद से ही वह लगातार चर्चा में बनी रहीं। हाल ही में आई धड़क 2 में भी उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी संग अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। तृप्ति अपनी बोल्ड चॉइस और दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती हैं जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी हर तस्वीर और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाते हैं।

एक बेड पर नहीं सोते Hina-Rocky?

सरेआम कपल से पूछ लिया बेडरूम सीक्रेट, एक्ट्रेस ने छोड़ा शो!

इन दिनों रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रहे हिना खान और रॉकी जायसवाल को लेकर शो पर एक हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है. जिसके बाद अब एक्ट्रेस की शादी पर सवाल उठने लगे हैं.

टीवी इंडस्ट्री से लेकर वेब सीरीज की दुनिया तक में धमाल मचाने वाली पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान एक तरफ जहां ब्रेस्ट कैंसर से अपनी बहादुरी भरी जंग लड़ रही हैं, तो वहीं दूसरी तरफ अपने काम को भी पूरे एक्टिव मोड में कर रही हैं. वहीं एक्ट्रेस इन दिनों पति रॉकी जायसवाल के साथ रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं. इसी बीच शो में हुए हिना और रॉकी के पर्सनल खुलासे ने सबको हैरान कर दिया है.

शादी के 5 महीने बाद हिना-रॉकी का बेडरूम सीक्रेट लीक!

हिना खान और रॉकी जायसवाल की जोड़ी को फैंस बहुत पसंद करते

हैं. रॉकी अक्सर हिना पर खुलकर प्यार लुटाते नजर आते हैं, लेकिन हाल ही में ये कपल तब सुर्खियों में आया जब खबर उड़ी कि शादी के 5 महीने बाद भी हिना और रॉकी एक बेड पर नहीं सोते. इस बात को सुनकर फैंस हैरान हैं और जानने को बेताब हैं कि आखिर इस बेडरूम सीक्रेट का सच क्या है?

रॉकी ने कहा चरित्र हनन, हिना हुई आग-बबूला

दरअसल, ये पूरा मामला शो के एक प्रोमो में सामने आया है. शो की होस्ट और एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने कंटेस्टेंट्स से एक टास्क के दौरान सवाल पूछा कौन सा कपल ऐसा है जो बेड पर एक साथ नहीं सोते? इसपर अविका गौर और मिलिंद समेत स्वरा भास्कर और फहाद ने हिना और रॉकी का नाम लिया, तो दोनों हैरान रह गए. अपना और अपने पति का नाम सुनकर हिना खान चिल्ला पड़ीं और रॉकी जायसवाल ने तुरंत इसे चरित्र हनन करार दे दिया. रॉकी ने जोर देकर कहा कि ये बात एकदम गलत है.

हिना ने दी शो छोड़ने की धमकी: वहीं हिना ने चिल्लाते हुए अपनी हार का जिम्मेदार अपने पति रॉकी जायसवाल को बताया. इसके बाद सब मस्ती मजाक कर रहे होते हैं कि, हिना अचानक अपनी सीट छोड़कर चली गईं. उन्होंने इतना ही नहीं किया, बल्कि शो छोड़ने की धमकी तक दे डाली. हालांकि, ये सब शो में मस्ती-मजाक में हुआ था, लेकिन सोशल मीडिया पर कई लोग इसे सीरियस ले रहे हैं. लोगों ने हिना और रॉकी के रिश्ते पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है.

'मैं पांच मिनट में गाकर निकल जाता हूं'

काजोल और ट्विंकल खन्ना का नया चैट शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' शुरू हो चुका है। शो के पहले एपिसोड में नजर आए आमिर और सलमान खान ने कई खुलासे किए। ट्विंकल खन्ना और काजोल के नए चैट शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का पहला एपिसोड रिलीज हो चुका है। पहले एपिसोड में ही सलमान और आमिर खान जैसे दो बड़े सुपरस्टार्स नजर आए। इस दौरान इन दोनों सुपरस्टार्स ने कई खुलासे किए और कई शानदार किस्से भी साझा किए। सलमान ने अपनी सिंगिंग को लेकर भी शो के दौरान एक बड़ा खुलासा किया।

सलमान ने माना असल में अच्छी नहीं है मेरी आवाज

शो के दौरान दोनों होस्ट काजोल और ट्विंकल ने आमिर और सलमान से गाना गाने के लिए कहा। ट्विंकल ने आमिर से कहा, 'हमने सुना है आप क्लासिकल सिंगिंग सीख रहे हैं। ऐसे में कुछ गाकर सुनाइए।' इस पर आमिर ने कहा कि मैं अभी सीख ही रहा हूं। लेकिन सलमान बहुत अच्छा गाते हैं। फिर आमिर ने सलमान से गाने के लिए भी कहा। आमिर ने सलमान से कहा तू अच्छा गाता है, तुमने मुझे रिकॉर्डिंग्स सुनाई हैं। जिस पर सलमान ने कहा कि अरे वो रिकॉर्डिंग अलग है, असल में मेरी आवाज बहुत बुरी है। इस दौरान सलमान ने स्वीकार किया कि वो ऑटो ट्यून की मदद से गाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं तो गाकर 5 मिनट में निकल जाता हूं। उसके बाद गाने को सुरीला बनाने के लिए बाकी लोगों को हफ्तों लगते हैं। तब जाकर वो गाना सामने आता है, जिसे सब लोग सुन सकते हैं। ये सब ऑटो ट्यून का कमाल है।

सर्च- द नैना मर्डर केस

कॉलेज गर्ल की डेथ मिस्ट्री में उलझा कोंकणा का किरदार

कोंकणा सेन शर्मा संजीदा किरदारों को बखूबी निभाना जानती हैं। हाल ही में उनकी एक अपकमिंग सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' का ट्रेलर रिलीज हुआ। जिसमें वह एक पुलिस ऑफिसर के रोल में हैं, जो एक मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करने की कोशिश कर रही है। सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' के ट्रेलर में कोंकणा सेन शर्मा एक पुलिस ऑफिस के रोल में हैं। वह एक कॉलेज गर्ल की मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करने की कोशिश में लगी हैं। इस राह में उसके सामने कई चुनौतियां हैं। कई लोग शक के घेरे में हैं।

इस सीरीज में एक तरफ मर्डर मिस्ट्री को दिखा गया है। साथ ही केस को सॉल्व करने के दौरान कोंकणा सेन का किरदार डिजिटल दुनिया के खतरों से भी वाकिफ होता है। इस सीरीज में सोशल मीडिया के स्याह पक्ष को दिखाने की कोशिश की गई, जिसके जाल में यंगस्टर बुरी तरह फंस जाते हैं।

कोंकणा सेन स्टारर इस सीरीज की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ ही शेयर की है। यह सीरीज जीयोहॉटस्टार पर 10 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। यह सीरीज रोहन सिप्पी ने डायरेक्ट की है।

रश्मी देसाई ने गरबा डांस के साथ फैन्स को दिया मूड ठीक करने का मंत्र

टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मी देसाई ने शनिवार को एक वीडियो के जरिए अपने प्रशंसकों को मूड ठीक करने का तरीका बताया है। वीडियो में रश्मी ने सफेद रंग की चोली के साथ लाल रंग का लहंगा पहना है, जिसे उन्होंने लाल ओढ़नी के साथ और आकर्षक बनाया है। उनके खुले बाल और चेहरे पर चमकती मुस्कान उनके लुक को और निखार रही है। रश्मी ने वीडियो के साथ एक मजेदार और प्रेरणादायक कैप्शन लिखा, जब भी मन में उलझन हो या समझ न आए क्या करना है, तो गरबा कर लो। रश्मी देसाई टेलीविजन इंडस्ट्री में अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। उतरन जैसे लोकप्रिय धारावाहिक में उनकी भूमिका ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। इसके अलावा, वह रियलिटी शोज और सोशल मीडिया पर अपनी सक्रियता के लिए भी चर्चा में रहती हैं। रश्मि ने 2002 में असमिया भाषा की फिल्म कन्यादान से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 2004 में शाहरुख खान और रवीना टंडन के साथ रोमांटिक मिस्ट्री ये लम्हें जुदाई के से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

श्रुति हासन ने गायिकी के प्रति जताया प्यार

अभिनेत्री श्रुति हासन ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को अपनी गायिकी से हैरान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी संगीतमय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वीडियो में श्रुति पियानो की धुनों के साथ वह अपनी मधुर आवाज में गाना बड़े मन से गा रही हैं। इस वीडियो ने उनके प्रशंसकों का दिल जीत लिया और उनकी बहुआयामी प्रतिभा को एक बार फिर उजागर किया। श्रुति ने वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी रचनात्मक यात्रा के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने लिखा, काफी समय हो गया है कोई नया गाना लिखे। सच कहूं तो, मैं लिख नहीं पा रही हूं। यह कभी परफेक्शन की खोज के बारे में नहीं था। जब दिल से भावनाएं निकलती हैं, तो सही समय पर सबकुछ अपने आप सिखा देती हैं। बस वही होना चाहिए जो मैं हूं और वहीं रहना चाहिए जहां मुझे होना चाहिए। श्रुति हासन न केवल अपनी अभिनय कला के लिए जानी जाती हैं, बल्कि संगीत के क्षेत्र में भी उनकी गहरी रुचि रही है। उन्होंने अपनी आवाज में कई गाने भी गाए हैं और संगीत रचना में भी योगदान दिया है। सोशल मीडिया पर उनके इस पोस्ट को खूब सराहना मिल रही है और प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में बहुचर्चित फिल्म कुली में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने प्रीति राजशेखर का किरदार निभाया था। इस फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार रजनीकांत, तेलुगु सिनेमा के दिग्गज नागार्जुन अक्किनेनी, मलयालम एक्टर सौबिन शाहिर, और बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान भी नजर आए थे।

विवादों में फंसी पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा

फेमस पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा नए विवाद में फंस गई हैं। उनकी नई फिल्म के ट्रेलर में सोनम बाजवा को शराब पीते और हाथ में सिगरेट पकड़े हुए दिखाया गया है। इसे लेकर पंजाब कलाकार मंच ने सवाल खड़े किए हैं। मंच के सरपरस्त सुखमिंदरपाल सिंह ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार और सेंसर बोर्ड को पत्र लिखकर फिल्म बैन करने की मांग की है। एक हफ्ते पहले नई पंजाबी मूवी निक्का जैलदार-4 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें सोनम बाजवा के अलावा एमी विर्क भी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें सोनम बाजवा को शराब की आदी बहू के रूप में दिखाया गया है। करीब 3 मिनट के ट्रेलर में सोनम बाजवा को कई बार शराब पीते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा एक सीन में उसके हाथ में सिगरेट भी है, जिसे लेकर विरोध शुरू हुआ है। पंजाब कलाकार मंच के सरपरस्त सुखमिंदरपाल सिंह ने कहा कि जिन कलाकारों ने बाढ़ में मदद की, हमने उनकी तारीफ की। मगर, कुछ कलाकार अच्छा करते-करते मर्यादा का उल्लंघन कर रहे हैं।

कपिल शर्मा को धमकाने वाला आरोपी बंगाल से गिरफ्तार, पूछताछ शुरू

मुंबई क्राइम ब्रांच ने मशहूर कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दिलीप चौधरी के रूप में हुई है, जिसे पश्चिम बंगाल के 24 परगना से पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पश्चिम बंगाल से आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसे मुंबई लाया गया। यहां पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, इसके बाद अदालत ने आरोपी को 30 सितंबर तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में रखने का आदेश दिया। बता दें कि कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर कुछ समय पहले फायरिंग हुई थी। कपिल के 'कैप्स कैफे' में दो बार फायरिंग होने की घटना ने सनसनी मचा दी थी। पिछले महीने 7 अगस्त को हुई इस फायरिंग की जिम्मेदारी गोल्डी ढिल्लों और लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट में दावा किया गया कि कपिल को पहले फोन पर चेतावनी दी गई थी, जिसे उन्होंने नजरअंदाज किया। इसके बाद कैफे पर हमला हुआ और धमकी दी गई कि अगर वह अब भी नहीं मानें तो अगली कार्रवाई मुंबई में होगी। इस धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इससे पहले जुलाई में हुई पहली फायरिंग में बब्बर खालसा से जुड़े हरजीत सिंह ने कैफे पर 9 गोलियां चलाई थीं। कैफे उस समय बंद था, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ। उस हमले को कपिल के शो में निहंग सिखों की वेशभूषा पर की गई टिप्पणी से जोड़ा गया था।

साभार एजेंसी

फैंस भूल गए एशिया कप

विराट कोहली की इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर ने मचाई धूम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टीव नहीं है, लेकिन उन्होंने हाल ही में अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ एक नई तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की है, जिसने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। इस तस्वीर में दोनों एक बेहद प्यारे अंदा में दिख रहे हैं, जहां विराट ने प्यार से अनुष्का के माथे पर अपना गाल रखा हुआ है और दोनों कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए देख रहे हैं। यह तस्वीर पोस्ट होने के बाद सिर्फ दो घंटे में 5 मिलियन से अधिक लाइक्स बटोर चुकी है।

विराट कोहली ने कैप्शन में लिखी ये बात

इस तस्वीर में विराट ने नीले रंग का लंबा कोट पहना हुआ है, जबकि अनुष्का ने ग्रे स्वेटर के साथ एक सफेद टॉप पहना है। इस पोस्ट के कैप्शन में विराट ने बस इतना लिखा, Been a minute. फैंस इस तस्वीर को शेयर भी कर रहे हैं। कई फैंस के इस पर अच्छे कमेंट भी किए हैं। इस तस्वीर के सामने आते ही क्रिकेट फैंस एशिया कप की बातें छोड़, इन दोनों के बारे में बात करने लगे हैं। ऐसा कि मानो वह एशिया कप को भूल चुके हैं।

पीकेएल-12:

बंगाल वॉरियर्स ने पटना पायरेट्स को 6 प्वाइंट्स से हराया

जयपुर, एजेंसी। कप्तान देवांक (22 प्वाइंट) के धमाकेदार प्रदर्शन की बदौलत बंगाल वॉरियर्स ने शनिवार को यहां सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 51वें मैच में पटना पायरेट्स को 48-42 से हरा दिया।

बंगाल वॉरियर्स की आठ मैचों में यह तीसरी जीत है और टीम अब 13 अंक लेकर नौवें नंबर पर पहुंच गई है। पटना पायरेट्स को आठ मैचों में छठी हार का मुंह देखना पड़ा है। मुकाबले में बंगाल वॉरियर्स के लिए देवांक दलाल और पटना पायरेट्स के लिए माइटी मनिंदर सिंह ने अपनी-अपनी पूर्व टीम के खिलाफ मल्टी प्वाइंट्स लेकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद अयान ने सातवें मिनट में मल्टी प्वाइंट लेकर बंगाल वॉरियर्स को ऑलआउट कर दिया और स्कोर को 13-8 तक पहुंचा दिया। इस तरह पटना की टीम पहले 10 मिनट के खेल में 16-11 से आगे हो गई। बंगाल के लिए कप्तान देवांक ने डू ऑर डाई में तीन अंक लेकर अपनी टीम की वापसी करानी शुरू कर दी। उन्होंने इसके साथ अपना लगातार आठवां सुपर-10 भी पूरा कर लिया। पटना पायरेट्स की टीम यहां से ऑलआउट की कगार पर पहुंच गई। अगली ही रेड में मनिंदर भी टैकल कर लिए गए और बंगाल ने पटना पायरेट्स को ऑलआउट करके स्कोर 19-19 की बराबरी पर पहुंचा दिया।

धाकड़ देवांक ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में एक और सुपर रेड लगा दी और बंगाल को तीन अंक दिला दिए। इससे बंगाल वॉरियर्स की टीम पहले हाफ की समाप्ति तक 26-25 से आगे हो गई। खेल के पहले 20 मिनट में बंगाल वॉरियर्स के कप्तान देवांक दलाल का भौकाल देखने को मिला और उन्होंने 15 अंक अर्जित किए। दूसरा हाफ शुरू होने के बाद पटना पायरेट्स ने एक बार फिर से 27-27 की बराबरी हासिल कर ली। पटना के लिए अयान ने अपना चौथा सुपर-10 पूरा कर लिया। उन्होंने अपनी अगली रेड में भी सुपर रेड लगाकर 35वें मिनट तक पटना पायरेट्स को बराबरी पर रोके रखा। मैच के 30वें मिनट तक भी दोनों ही टीमें लगभग बराबरी पर चल रही थी। लेकिन पटना के लिए मनिंदर सिंह ने सुपर रेड लगाकर अपने करियर का 80वां सुपर-10 पूरा कर लिया। 36वें मिनट में पटना ने देवांक को सुपर टैकल करके मैच में वापसी कर ली और स्कोर को 39-39 से बराबरी कर दी। बंगाल और पटना के बीच खेल के अंतिम मिनटों में कांटे की टक्कर देखने को मिली। बंगाल के लिए जहां डिफेंस अंक बटोर रहा था तो वहीं पटना के लिए अयान अंक लेकर आ रहे थे।

मिथुन मन्हास बने बीसीसीआई के नए अध्यक्ष

जे एंड के के लिए अंडर-19, दिल्ली के लिए रणजी खेले; बोर्ड के पहले प्रेसिडेंट क्रिकेटर, जो इंटरनेशनल मैच नहीं खेले

नई दिल्ली, एजेंसी। फॉर्मर डोमेस्टिक क्रिकेटर मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के अध्यक्ष बन गए है। इसका ऐलान रविवार को मुंबई में बीसीसीआई ऑफिस में हुई एनुअल जरनल मीटिंग के बाद हुआ। वे इस पद पर निर्विरोध चुने गए। मन्हास बोर्ड के पहले ऐसे प्रेसिडेंट क्रिकेटर हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ङ्क पर पोस्ट कर मिथुन मन्हास को बधाई दी। उन्होंने लिखा- मिथुन मन्हास आधिकारिक रूप से बीसीसीआई के अध्यक्ष बन गए हैं। जे एंड के की अंडर-15 टीम में खेले मन्हास ने जम्मू कश्मीर से अंडर-15, अंडर-16 और अंडर-19 खेला। उन्होंने 3 साल जे एंड के के लिए अंडर-19 खेला। साल 1995 में उन्होंने लगभग 750 रन बनाए और देश के हाईएस्ट अंडर-19 स्कोरर बने। बाद में जे एंड के टीम के कैप्टन बने। इसी परफॉर्मेंस के चलते उनका सिलेक्शन नॉर्थ जोन के लिए हुआ। 12वीं की परीक्षा देने के बाद मन्हास कुछ महीनों के लिए पहली बार दिल्ली आए। तब उनकी उम्र 17 साल थे। यहां आकर उन्होंने दिल्ली के प्रीमियर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और यहीं से खेलने लगे। उस दौर में दिल्ली की टीम में वीरेंद्र सहवाग और आशीष नेहरा जैसे दिग्गज खेलते थे। दिल्ली के टूर्नामेंट में अच्छा परफॉर्म करने के चलते उनका सिलेक्शन अंडर-19 नेशनल टीम में हुआ।

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स ने फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक से नाता तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने लंबे समय से फील्डिंग कोच के रूप में काम कर रहे दिशांत याग्निक से नाता तोड़ लिया है। याग्निक से पहले आरआर और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के भी रास्ते अलग हो गए थे। टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम को अपनी कोचिंग में चैंपियन बनाने के बाद द्रविड़ आरआर के मुख्य कोच बने थे। माना जा रहा था कि आरआर के कोच के रूप में उनका कार्यकाल लंबा होगा, लेकिन हाल ही में उन्होंने मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। राहुल की कोचिंग में आरआर का 2025 में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था और टीम में फूट की खबर भी आई थी। आरआर 2025 में लीग चरण के 14 मैचों में चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी। याग्निक अब आगामी घरेलू सत्र में जम्मू और कश्मीर टीम के क्षेत्ररक्षण कोच के रूप में काम करने पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। पिछले सीजन में, वह कोचिंग स्टाफ के प्रमुख सदस्यों में से एक थे, जिसमें जम्मू और कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

उन्हें समझदारी से टूर्नामेंट चुनने होंगे, पीवी सिंधू को साइना नेहवाल की सलाह

मुंबई, एजेंसी। साइना नेहवाल की यह सलाह सिंधू के लिए आने वाले सीजन में अहम साबित हो सकती है। सही टूर्नामेंट चयन और बेहतर तैयारी से सिंधू फिर से अपने करियर के सुनहरे दिनों की तरह लगातार जीत दर्ज कर सकती हैं। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल का मानना है कि पीवी सिंधू को अब टूर्नामेंट चुनने में समझदारी दिखानी होगी। जैसे-जैसे सिंधू 30 की उम्र में पहुंच रही हैं, लगातार हर टूर्नामेंट खेलने का दबाव उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। साइना ने कहा, ऐसा नहीं है कि एक निश्चित उम्र के बाद आप अच्छा नहीं कर सकते। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन आपको उन टूर्नामेंटों पर ध्यान देना होगा जिनमें आप अच्छा करना चाहते हैं।

लगातार टूर्नामेंट खेलना मुश्किल

साइना का कहना है कि रैंकिंग बनाए रखने के लिए सभी टूर्नामेंट खेलना थकाऊ हो सकता है। उन्होंने कहा, आप सभी टूर्नामेंटों में अच्छा नहीं कर सकते क्योंकि यह मुश्किल होता है। इस उम्र में जब आप अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए लगातार इतने सारे टूर्नामेंट खेल रहे होते हैं तो जाहिर है आपको एक निश्चित दौर तक तो पहुंचना ही होगा।

साइना का मानना है कि सिंधू को बड़े टूर्नामेंट जैसे विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर आप जीतना चाहते हैं जैसे विश्व चैंपियनशिप या एशियाई चैंपियनशिप तो आपको उन टूर्नामेंटों में पूरी ताकत लगानी होगी।

हमारे पास विश्व कप जीत इतिहास रचने का मौका - हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वनडे विश्व कप का आगाज 30 सितंबर से हो रहा है। मैच भारत और श्रीलंका में खेले जाएंगे। मेजबान होने के नाते भारतीय टीम के पास विश्व कप जीतने का मौका है और इस बात को कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी स्वीकार किया है।

प्रतियोगिता हमेशा की तरह कड़ी है, लेकिन टीम को अपने कौशल, तैयारियों और किसी भी चुनौती से पार पाने का भरोसा है। घरेलू और बाहरी मैदानों पर खेले गए हालिया नतीजे भी टीम के लिए उत्साहजनक रहे हैं। हम विश्व कप में इस लय को बरकरार रखने के लिए उत्सुक हैं। हरमनप्रीत ने लिखा, हमारी विश्व कप टीम में सभी विभागों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी बल्लेबाजी प्रतिभाएं टीम में मौजूद हैं। गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली है, जिसमें रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के साथ युवा और होनहार क्रांति गौड़, एन. श्री चरणी और राधा यादव भी हैं। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर जैसे तीन ऑलराउंडर भी हैं, जो खेल का रुख भारत के पक्ष में मोड़ सकते हैं। उन्होंने विश्व कप में भारतीय टीम के अभियान में सपोर्ट स्टाफ की भूमिका और फैंस के उत्साह और समर्थन को भी अहम बताया। भारतीय महिला टीम अब तक कोई भी आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी है। 2005 और 2017 में टीम फाइनल में पहुंची थी।

कप्तानी करना सम्मान की बात

शनिवार को आईसीसी के एक कॉलम में हरमनप्रीत ने लिखा, घरेलू विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करना, एक बड़ा सम्मान है। हम ट्रॉफी जीतने की ख्वाहिश रखते हैं और इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए पूरी तरह से प्रेरित हैं। भारतीय कप्तान ने लिखा, विश्व कप की तैयारी का हमारा सफर समृद्ध रहा है। पिछले कुछ समय से टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इससे हमारे अंदर आईसीसी ट्रॉफी जीतने की ललक जगी है। हम बड़ी छलांग लगाना चाहते हैं और आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप जीतना चाहते हैं।

SAFF Under-v| Football:

भारत ने सातवां सैफ अंडर-17 खिताब जीता, पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को हराया

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा। दल्लामुओन गंगटे, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम और इंद्र राणा मगर ने शानदार गोल किए। भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को 4-1 से हराकर सातवां सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप खिताब जीता। भारत ने दल्लामुओन गंगटे (चौथे मिनट) और अजलान शाह केएच (38वें मिनट) के गोल की मदद से पहले हाफ में 2-1 की बढ़त बनाई हुई थी लेकिन बांग्लादेश ने आखिरी मिनट में इहसान हबीब रिदुआन के बराबरी के गोल से वापसी कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया जिससे शूटआउट से नतीजा निकला।

भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा। दल्लामुओन गंगटे, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम और इंद्र राणा मगर ने शानदार गोल किए। इसके बाद शुभम पूनिया ने निर्णायक चौथा किक गोल में डाला। वहीं बांग्लादेश की टीम दबाव में बिखर गई। उसके लिए केवल मोहम्मद माणिक ही गोल कर सके।

नेपाल ने टी-20 में पहली बार वेस्टइंडीज को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह में खेले गए तीन टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में नेपाल ने वेस्टइंडीज को 19 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 9 विकेट खोकर 129 रन ही बना सकी। यह जीत नेपाल की किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ सभी फॉर्मेट में पहली जीत है। इससे पहले 2014 में नेपाल ने टी-20 में अफगानिस्तान को हराया था, लेकिन उस समय अफगानिस्तान एसोसिएट टीम थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह नेपाल का पहला टी-20 मैच और किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ उनकी पहली बाइलैट्रल सीरीज की शुरुआत थी।

नेपाल की खराब शुरुआत, लेकिन मजबूत वापसी टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट पर 148 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 8 रन के स्कोर पर पहला विकेट गिर गया। कुशल भुर्तेल 6 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज आशिफ शेख भी सिर्फ 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तीसरे विकेट के लिए कप्तान रोहित पौडेल और कुशल मल्ला ने 45 गेंदों पर 58 रन की अहम साझेदारी की। कुशल मल्ला ने 21 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाए, जबकि रोहित पौडेल ने 35 गेंदों में 38 रन की पारी खेली।

दीपेंद्र सिंह एरी ने 19 गेंदों में 17 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि नवीन बिदाईसी ने 29 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। रोहित पौडेल ने 35 गेंदों में 38 रन की पारी खेली।

वेस्टइंडीज की फ्लॉप बल्लेबाजी

वेस्टइंडीज की फ्लॉप बल्लेबाजी नेपाल के 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 129 रन ही बना सकी। नई टीम के साथ मैदान में उतरी विंडीज की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही। उनकी टीम में चार नए खिलाड़ी शामिल थे। वेस्टइंडीज की ओर से नवीन बिदाईसी ने सबसे ज्यादा 22 रन बनाए। अमीर जंगू और फेबियन एलन ने 19-19 रन जोड़े, जबकि कप्तान अकील हुसैन 18 रन बनाकर आउट हुए। अकीम ने 15 और केसी कार्टी ने 16 रन का योगदान दिया। नेपाल की ओर से कुशल भुर्तेल ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

भारत अपने विकल्प का चुनाव करने की स्वतंत्रता हमेशा कायम रखेगा : जयशंकर

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत अपने विकल्प का चुनाव करने की स्वतंत्रता हमेशा कायम रखेगा और यह समकालीन विश्व में तीन प्रमुख सिद्धांत आत्मनिर्भरता , आत्मरक्षा और आत्मविश्वास पर आगे बढ़ रहा है। जयशंकर ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें उच्चस्तरीय सत्र को संबोधित करते हुए कहा, भारत के लोगों की ओर से नमस्कार। वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत समकालीन विश्व में तीन प्रमुख सिद्धांत आत्मनिर्भरता , आत्मरक्षा और आत्मविश्वास पर आगे बढ़ रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ है, अपनी क्षमताएं बढ़ाना, अपनी ताकत बढ़ाना और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ने देना। उन्होंने कहा, चाहे विनिर्माण क्षेत्र में हो, अंतरिक्ष कार्यक्रमों में हो, दवाइयों के उत्पादन में हो या डिजिटल अनुप्रयोगों में हो, हम इसके परिणाम देख ही रहे हैं। भारत में निर्माण और नवाचार से विश्व को भी लाभ होता है।

जयशंकर ने आत्मरक्षा पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि भारत अपने लोगों की रक्षा और देश व विदेश में उनके हितों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, इसका मतलब आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करना , हमारी सीमाओं की मजबूत सुरक्षा, विभिन्न देशों के साथ साझेदारी कायम करना और विदेश में अपने समुदाय की सहायता करना है। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास का तात्पर्य है कि सबसे अधिक आबादी वाले देश, और तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में, हमें पता हो कि फिलहाल हम कहां है और भविष्य में हमें कहां होना है। भारत अपने विकल्प का चुनाव करने की स्वतंत्रता हमेशा कायम रखेगा और हमेशा ग्लोबल साउथ की आवाज बना रहेगा। जयशंकर ने कहा कि ऐसे समय में जब यूक्रेन और पश्चिम एशिया में दो अहम संघर्ष जारी हैं तो यह प्रश्न अवश्य पूछा जाना चाहिए कि क्या संयुक्त राष्ट्रअपेक्षाओं पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा, हममें से प्रत्येक के पास शांति और समृद्धि में योगदान देने का अवसर है। संघर्षों के मामले में, विशेष रूप से यूक्रेन और गाजा में यहां तक कि उन देशों ने भी संघर्ष का प्रभाव महसूस किया है जो सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं हैं। विदेश मंत्री ने कहा, जो राष्ट्रसभी पक्षों के साथ तालमेल बिठा सकते हैं उन्हें समाधान खोजने के लिए आगे आना चाहिए। भारत शत्रुता समाप्त करने का आह्वान करता है और शांति बहाल करने में मदद करने वाली किसी भी पहल का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा, विशेष रूप से 2022 के बाद से संघर्ष और व्यवधान की सबसे अधिक शिकार रही हैं। जयशंकर ने व्यापार के मुद्दे पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, अब हम शुल्क में अस्थिरता और अनिश्चित बाजार का सामना कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, जोखिम से बचना अहम होता जा रहा है, चाहे वह आपूर्ति के सीमित स्रोतों से हो या किसी खास बाजार पर अत्यधिक निर्भरता से। उनकी यह टिप्पणी दुनिया भर के देशों पर अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने की पृष्ठभूमि में आई है।

संयुक्त राष्ट्र में जयशंकर के संबोधन पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया आतंकवाद की स्वीकारोक्ति है:भारत

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में आतंकवाद पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के भाषण पर प्रतिक्रिया देने पर पाकिस्तान पर निशाना साधा और कहा कि पाकिस्तान की यह प्रतिक्रिया लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने की अपनी हरकत स्वीकार करने जैसी है। जयशंकर ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा, दुनिया में बड़े आतंकवादी हमलों का संबंध उसी एक देश से है। पड़ोसी जो वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है। उन्होंने कहा कि भारत आजादी के बाद से आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है। जयशंकर के संबोधन के बाद शाम के समय पाकिस्तान ने जवाब देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए भारत पर आतंकवाद को लेकर झूठे आरोप लगाकर पाकिस्तान की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। पाकिस्तान की प्रतिक्रिया का जवाब देते हुए भारत ने कहा कि यह दर्शाता है कि एक पड़ोसी ने सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने की अपनी दीर्घकालिक नीति को स्वीकार कर लिया है जबकि उसका नाम भी नहीं लिया गया था। संयुक्त राष्ट्रमें भारत के स्थाई मिशन में द्वितीय सचिव रेन्ताला श्रीनिवास ने कहा, पाकिस्तान की प्रतिष्ठा सबकुछ बता रही है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में आतंकवाद से जुड़ी उसकी छाप साफ दिखाई देती है।

जयशंकर ने यूएनजीए से इतर महत्वपूर्ण राजनयिक बैठकें कीं, विभिन्न विषयों पर चर्चा की

न्यूयॉर्क, भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर कई उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकें कीं और संयुक्त राष्ट्रप्रमुख एंतोनियो गुतारेस एवं संयुक्त राष्ट्रमहासभा (यूएनजीए) की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक समेत शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत की। जयशंकर ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्रमहासचिव गुतारेस से मुलाकात कर भू-राजनीतिक घटनाक्रमों एवं कई ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने वर्तमान चुनौतियों पर भारत के दृष्टिकोण को भी साझा किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्रमहासचिव एंतोनियो गुतारेस से मिलकर खुशी हुई। संयुक्त राष्ट्र के 80वें सत्र, भू-राजनीतिक रुझानों, वर्तमान ज्वलंत मुद्दों और भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा हुई। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष बेयरबॉक के साथ एक अलग बैठक में जयशंकर ने उनकी अध्यक्षता के दौरान भारत की ओर से पूर्ण समर्थन दिए जाने का आश्वासन दिया।

दुनिया को वैश्विक कार्यबल की जरूरत, नई व्यापार व्यवस्थाएं भरेंगी : जयशंकर

न्यूयॉर्क, भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दुनिया को बड़े पैमाने पर वैश्विक कार्यबल की जरूरत होगी और अनिश्चितताओं के बावजूद नई व्यापार व्यवस्थाएं उभरकर सामने आएंगी। जयशंकर ने वैश्विक समीकरणों में बदलाव के बीच आर्थिक संबंधों में विविधता लाने के लिए लातिन अमेरिका और कैरिबियाई देशों के साथ भारत के बढ़ते रिश्तों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें वार्षिक सत्र से इतर ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के कार्यक्रम में शनिवार को कहा कि अनिश्चितताओं के बावजूद व्यापार अपना रास्ता बनाता रहेगा। जयशंकर ने कहा, दुनिया को वैश्विक कार्यबल की जरूरत होगी और अनिश्चितताओं के बावजूद व्यापार अपना रास्ता बनाता रहेगा। हम नई व्यापार व्यवस्थाएं, प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी और कार्यस्थल मॉडल देखेंगे, जो कम समय में वैश्विक परिदृश्य को बहुत अलग बना देंगे। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही लातिन अमेरिका और कैरिबियाई देशों के साथ संपर्क में है, तथा वह व्यापार एवं साझेदारी को और आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे अशांत माहौल में, खासतौर पर बड़े देशों के लिए, अधिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के वास्ते क्षमता निर्माण करना अहम है। उन्होंने कहा, आज भारत में इस पर बहुत अधिक ध्यान दिया जा रहा है। प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीयता और दक्षिण-दक्षिण सहयोग, सभी एक ही पहलू हैं। दक्षिण-दक्षिण सहयोग उन विकासशील देशों के बीच ज्ञान, विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को दर्शाता है जो ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य आम विकास की चुनौतियों का समाधान करना, आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देना और सामूहिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है, न कि विकसित देशों पर निर्भर रहना। जयशंकर की यह टिप्पणी अमेरिका के एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर सालाना 1,00,000 अमेरिकी डॉलर किए जाने और रूसी तेल की खरीद को लेकर भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने के हालिया कदमों के बीच आई है। एच-1बी वीजाधारकों में भारतीय पेशेवरों की हिस्सेदारी लगभग 71 फीसदी (2.8 लाख से अधिक) और चीनी पेशेवरों की हिस्सेदारी लगभग 11.7 प्रतिशत (46,600) है।

संयुक्त राष्ट्रमहासभा के 80वें सत्र में जयशंकर से मुलाकात

भारत-अमेरिका संबंध नई दिल्ली-मॉस्को के बीच संबंधों के लिए मापदंड नहीं :रूस के विदेश मंत्री

» संयुक्त राष्ट्र , भाषा।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि मॉस्को, भारत के राष्ट्रीय हितों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपनाई जा रही स्वतंत्र विदेश नीति का पूरा सम्मान करता है। लावरोव ने यह भी कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश के साथ नई दिल्ली के संबंध भारत-रूस संबंधों के लिए मानक नहीं हो सकते। उच्च-स्तरीय आम चर्चा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के संबोधन से कुछ समय पहले लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी है। उन्होंने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश के साथ नई दिल्ली की स्थितियों को वह भारत और रूस के बीच संबंधों का मानदंड नहीं मान सकते।

लावरोव से पूछा गया था कि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों पर रूसी तेल की खरीद कम करने के दबाव के बावजूद भारत वहां से तेल का आयात जारी रखे हुए है, इस परिप्रेक्ष्य में मॉस्को, नई दिल्ली के साथ अपने संबंधों को किस प्रकार देखता है। लावरोव ने कहा, हम भारत के राष्ट्रीय हितों का पूरा सम्मान करते हैं और (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी द्वारा इन राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने के लिए अपनाई जा रही विदेश नीति का भी पूरा सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और रूस नियमित रूप से उच्च-स्तरीय संपर्क बनाए हुए हैं। लावरोव ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई हालिया मुलाकात का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर में नई दिल्ली जाने की उम्मीद है। रूसी नेता ने कहा, व्यापार, सैन्य, तकनीकी सहयोग, वित्त, मानवीय मामले, स्वास्थ्य सेवा, उच्च तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में हमारा बहुत व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा है, जबकि एससीओ, ब्रिक्स (दुनिया की पांच अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह) के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय एवं द्विपक्षीय स्तर पर हमारे बीच करीबी समन्वय है। लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर जयशंकर से मुलाकात कर द्विपक्षीय चर्चा की थी और ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश और अंतरराष्ट्रीय मामलों के मंत्रियों की वार्षिक बैठक में भी भाग लिया था। इस बैठक की अध्यक्षता 2026 के लिए ब्रिक्स के आगामी अध्यक्ष के रूप में भारत ने की। लावरोव ने अपने और जयशंकर के बीच द्विपक्षीय यात्राओं और नियमित बातचीत के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा, मैं तो यह भी नहीं पूछता कि हमारे व्यापारिक संबंधों या तेल का क्या होगा? मैं अपने भारतीय सहयोगियों से ये नहीं पूछता। वे अपने लिए यह निर्णय लेने में पूरी तरह सक्षम हैं। तेल आयात पर जयशंकर की टिप्पणी का जिक्र करते हुए लावरोव ने कहा कि विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि अगर अमेरिका हमें अपना तेल बेचना चाहता है, तो हम इसके लिए शर्तों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम अमेरिका के अलावा रूस या दूसरे देशों से क्या खरीदते हैं, यह हमारा अपना मामला है और इसका भारत-अमेरिका एजेंडे से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही सराहनीय प्रतिक्रिया है और यह दर्शाता है कि तुर्किए की तरह भारत में भी आत्मसम्मान है। एक अन्य सवाल के जवाब में लावरोव ने जोर देकर कहा कि रूस और भारत के बीच आर्थिक साझेदारी सुरक्षित है।

कीव पर रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में चार लोगों की मौत, 10 घायल

» कीव, भाषा।

रूस ने शनिवार रात को यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइल से कई हमले किए, जिससे चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में सबसे ज्यादा नुकसान राजधानी कीव में हुआ। पिछले महीने कीव पर हवाई हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत के बाद यह पहली बड़ी बमबारी है। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख ताइमुर तकाचेंको ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए हताहतों की संख्या की पुष्टि की और बताया कि शहर भर के नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले में 10 अन्य घायल हो गए। मृतकों में 12 साल की एक लड़की भी शामिल है।

शहर के केंद्र के पास हुए विस्फोट से घना काला धुआं उठते देखा जा सकता था। कीव के महापौर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, रात को शुरू हुए और तड़के बाद भी जारी रहे हमलों में आवासीय इमारतों, नागरिक बुनियादी ढांचे, एक चिकित्सा सुविधा और एक किंडरगार्टन को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि राजधानी में 20 से ज्यादा जगहों पर नुकसान पहुंचा है। रूसी अधिकारियों ने हमलों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त राष्ट्र ने फिर लगाए ईरान पर प्रतिबंध, आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों की चिंताएं बढ़ीं

» दुबई, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रविवार तड़के उसपर फिर से प्रतिबंध लगा दिए, जिसके बाद पहले से ही मुश्किलों से जूझ रहे देश के लोगों की भविष्य को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र में अंतिम समय में कूटनीतिक प्रयास विफल होने के बाद रविवार को ईरान पर प्रतिबंध लागू हो गए। ईरान पर अब कई तरह की पाबंदियां लग जाएंगी जिनमें विदेश में संपत्तियों पर रोक लगना, हथियार सौदों पर प्रतिबंध और बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम आगे बढ़ाने पर जुर्माना लगाया जाना आदि शामिल है। ईरान की मुद्रा रियाल निम्न स्तर पर पहुंच गई है, खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं और दैनिक जीवन और चुनौतीपूर्ण हो गया है।

सिना नामक व्यक्ति ने कहा कि देश ने कभी भी ऐसे चुनौतीपूर्ण समय का सामना नहीं किया है, यहां तक कि 1980 के दशक के ईरान-इराक युद्ध और उसके बाद दशकों तक प्रतिबंध लागू होने के दौरान भी नहीं। सिना ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, हम आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और हर साल हालात बदतर होते जा रहे हैं। हमारे सपने चकनाचूर हो रहे हैं। तेहरान के एक किराने की दुकान पर सिमा तगहावी नामक महिला ने कहा, हर दिन पनीर, दूध और मक्खन की कीमत बढ़ जाती है।

डेनमार्क में सशस्त्र बलों के ठिकानों पर नए ड्रोन देखे गए : रक्षा मंत्रालय

कोपेनहेगन, भाषा। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने रात में अपने सशस्त्र बलों के कई ठिकानों पर ड्रोन देखे हैं। एक दिन पहले उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) द्वारा बाल्टिक सागर क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाने की घोषणा की गई थी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शनिवार से रविवार रात तक ड्रोन देखे जाने के बाद उसने कई तैनाती की। हालांकि, उसने तैनाती की बारीकियों, ड्रोन की संख्या या उनके स्थान के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। पिछले सप्ताह पांच डेनिश हवाई अड्डों समेत कई स्थानों पर ड्रोन देखे जाने के बाद यह नवीनतम ड्रोन गतिविधि है, जिससे बढ़ते रूसी आक्रमण के बीच उत्तरी यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। शनिवार को लातविया के रीगा में नाटो की बैठक के बाद, सुप्रीम हेडक्वार्टर एलाइड पॉवर्स यूरोप के प्रवक्ता कर्नल मार्टिन ओ डॉनेल ने घोषणा की, हम बाल्टिक सागर क्षेत्र में और भी अधिक सतर्कता बरतेंगे।

सरकोजी को पांच साल की जेल की सजा : गणतंत्र की न्यायपालिका ने खुद को मुक्त कर लिया

» नैनटेरे (फ्रांस), भाषा।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को 2007 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए लीबिया से धन प्राप्त करने से संबंधित मामले में आपराधिक षड्यंत्र का दोषी पाया गया है। सरकोजी को पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उन्हें अपनी कैद की तारीख जानने के लिए 13 अक्टूबर को अदालत में पेश होना है। यह अभूतपूर्व फैसला फ्रांसीसी न्याय व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जिसने धीरे-धीरे खुद को राजनीतिक सत्ता से मुक्त कर लिया है। विन्सेंट सिजेयर ने लिखा कि इसमें कानून के समक्ष नागरिकों की पूर्ण समानता के गणतंत्रीय सिद्धांत को भी शामिल किया गया है, जिसकी घोषणा 1789 में की गई थी, लेकिन यह लंबे समय तक सैद्धांतिक ही रहा।

सरकोजी पर 2007 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए तत्कालीन लीबियाई नेता मुअम्मर गद्दाफी की सरकार से कथित तौर पर अवैध धन जुटाने का आरोप था। इस आधार

पर कि यह निर्णय अनुचित और निराधार है, इसके विरुद्ध तर्क देना पूरी तरह से उचित है। यह सबसे पहले प्रतिवादियों पर लागू होता है और निर्णय के विरुद्ध अपील करने का उन्हें पूरा अधिकार है। बेशक, यह सजा विशेष रूप से कठोर लग सकती है 100,000 यूरो का जुर्माना, पांच साल की अयोग्यता और पांच साल की कैद। लेकिन यदि हम अपराधों पर करीब से नजर डालें, तो दंड शायद ही असंगत दिखाई देगा। हालांकि अधिकतम सजा दस वर्ष की जेल है, इसलिए इस दंड को बहुत कठोर नहीं माना जा सकता। लेकिन जिस बात पर विवाद हो रहा है, वह है अदालतों द्वारा किसी राजनीतिक नेता को दोषी ठहराने का सिद्धांत। हालांकि, यदि हम इसे ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो हम पाते हैं कि हाल के वर्षों में शासक वर्ग के सदस्यों के विरुद्ध दिए गए निर्णय, वास्तव में न्यायपालिका को अन्य शक्तियों, विशेषकर कार्यपालिका से मुक्त करने के आंदोलन का हिस्सा हैं। कानून के समक्ष नागरिकों की समानता एक गणतांत्रिक सिद्धांत है। यह याद रखना चाहिए कि 4-5 अगस्त 1789 की रात को घोषित क्रांतिकारी सिद्धांत कानून के समक्ष पूर्ण समानता का था। वर्ष 1791 की दंड संहिता इससे भी आगे बढ़ गई न केवल सत्ता में बैठे लोगों को अन्य नागरिकों के समान ही अदालतों के समक्ष जवाबदेह ठहराया जा सकता था, बल्कि उन्हें कुछ अपराधों, विशेष रूप से भ्रष्टाचार से जुड़े अपराधों के लिए कठोर दंड का भी सामना करना पड़ता था। हालांकि, लंबे समय तक कानूनी समानता की यह आवश्यकता काफी हद तक सैद्धांतिक ही रही। बाद में धीरे-धीरे एक कठोर आचार संहिता अपना ली गई, जिसे 1972 में न्यायिक ट्रेड यूनियनवाद को मान्यता मिलने से विशेष प्रोत्साहन मिला। न्यायाधीशों की एक नई पीढ़ी उभरी, जिसने अब अपने मिशन को गंभीरता से लिया पूर्ण स्वतंत्रता के साथ यह सुनिश्चित करना कि कानून का उचित ढंग से पालन हो, चाहे आरोपी की पृष्ठभूमि कुछ भी हो। इसी संदर्भ में कुछ ऐसा घटित हुआ जो कुछ दशक पहले तक अकल्पनीय था। प्रमुख व्यक्तियों पर उसी आधार पर मुकदमा चलाया जाना और उन्हें दोषी ठहराना जिस आधार पर आम लोगों पर मुकदमा चलाया जाता है। इसका एक उदाहरण फरवरी, 2007 का संवैधानिक संशोधन है। इसके अनुसार गणराज्य के राष्ट्रपति पर उनके कार्यकाल के दौरान आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, लेकिन उनके पद छोड़ते ही कार्यवाही फिर से शुरू करने की अनुमति होती है।

इस वर्ष 33,350 मंडपों या अस्थाई रूप से सजाए गए पंडालों में दुर्गापूजा मनाई जा रही

बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच दुर्गा पूजा शुरू

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय ने रविवार को मुख्य दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत की। अधिकारियों ने बाधा उत्पन्न करने की मामूली घटनाओं के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे देश में दो लाख से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया। ढाका स्थित ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर में दुर्गा पूजा का आरंभ भव्य तरीके से हुआ। मंदिर परिसर में ढोल की थाप, शंख, मंदिर की घंटियों और उलगुलान (हर्षध्वनि) की गूंज से माहौल भक्तिमय हो गया। गवाहों के अनुसार, महाषष्ठी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा के पट खोले गए और इसी के साथ दुर्गोत्सव की शुरुआत हो गई।

बांग्लादेश पूजा महोत्सव परिषद के अध्यक्ष बासुदेव धर ने पीटीआई-भाषा को बताया, हमें उम्मीद है कि इस साल पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी। हम सरकार द्वारा दी गई सहायता और सुरक्षा व्यवस्था से खुश हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल देश भर में पूजा मंडपों की संख्या में वृद्धि हुई है। धर ने बताया कि अब तक परिषद को 11 जगहों से बाधा उत्पन्न करने की मामूली घटनाओं की सूचना मिली हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर दोषियों को गिरफ्तार कर लिया। आयोजकों ने बताया कि इस वर्ष 33,350 मंडपों या अस्थाई रूप से सजाए गए पंडालों में दुर्गापूजा मनाई जा रही है। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संबाद संस्था (बीएसएस) के अनुसार, गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एम जहांगीर आलम चौधरी ने बताया कि पूजा सुरक्षा के लिए लगभग अर्धसैनिक पुलिस बल के दो लाख कर्मियों और अर्धसैनिक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के 15,000 से अधिक कर्मियों की 430 प्लाटून तैनात की गई हैं। उन्होंने रविवार को बताया कि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बल 70,000 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर काम करेंगे। चौधरी ने कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की फासीवादी सरकार के सहयोगियों द्वारा पूजा के बारे में फैलाई गई अफवाहें या गलत सूचनाएं भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं और उन्होंने मीडिया से ऐसी किसी भी गलत सूचना को रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, अफवाहों और गलत सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए मीडिया के पास हमसे ज्यादा शक्ति है। इस बीच, पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि पुलिस बल कानून-व्यवस्था बनाए रखने और बांग्लादेश में सर्वधर्म सद्भाव की परंपरा को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले 16 सितंबर को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने दुर्गा पूजा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर में दर्शन किया था।

इजराइल और हमास के बीच युद्ध में 66,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

» काहिरा, भाषा।

इजराइल और हमास के बीच लगभग तीन साल से जारी युद्ध में 66,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। गाजा पट्टी में इजराइली सेना का आक्रमण जारी है, जबकि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वाशिंगटन में हैं और उनकी सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने की योजना है। नेतन्याहू पर युद्ध समाप्त करने के लिए काफी अंतरराष्ट्रीय दबाव है। इजराइली आपत्तियों के बावजूद, प्रमुख पश्चिमी सहयोगी देश फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने वाले देशों की बढ़ती सूची में शामिल हो गए हैं। यूरोपीय संघ इजराइल के विरुद्ध प्रतिबंधों पर विचार कर रहा है तथा इजराइल के खिलाफ खेल एवं सांस्कृतिक बहिष्कार के लिए भी प्रयास बढ़ रहे हैं। मंत्रालय ने अपनी दैनिक रिपोर्ट में बताया कि सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमास के हमले के बाद दोनों पक्षों में छिड़े युद्ध में मरने वाले फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 66,005 हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल-हमास युद्ध में अब तक 1,68,162 फलस्तीनी घायल हुए हैं। इसमें कहा गया है कि

मृतकों में 79 ऐसे फलस्तीनी भी शामिल हैं, जिन्हें पिछले 24 घंटों के दौरान अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। गाजा में अभी भी 48 लोग बंधक है। ट्रंप ने तत्काल युद्ध विराम के लिए 21 सूत्री प्रस्ताव पेश किया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रस्ताव में 48 घंटों के भीतर सभी बंधकों की रिहाई और फलस्तीनी क्षेत्र से इजराइली सेना की क्रमिक वापसी शामिल होगी। अधिकारियों ने कहा कि प्रस्ताव अंतिम नहीं है और इसमें बदलाव की पूरी संभावना है। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में अरब नेताओं के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा की। हमास के एक अधिकारी ने कहा कि समूह को योजना के बारे में जानकारी दे दी गई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,